भारतीय विमानपत्तन प्राधिकरण
AIRPORTS AUTHORITY OF INDIA

Corporate Communications Directorate

BUSINESS LINE DELHI 9 MARCH 2026

AAI offers seven airports to set up flying training schools

AATMANIRBHAR VISION. Move aimed at strengthening aviation training capacity

Rohit Vaid
New Delhi

In a move aimed at strengthening India's aviation training capacity, the state-run Airports Authority of India (AAI) has offered seven airports across the country for establishing flying training organisations (FTOs) or flying schools.

An FTO trains pilots in various aspects of aviation, including aircraft operations, navigation and flight safety. Such institutions require access to an airstrip for take-off, landing, and practice flights are generally established at or near operational airfields.

E-TENDERS FLOATED

According to AAI, e-tenders have been floated under Round-III (Phase-I) for setting up FTOs at airports located in Keshod, Kadapa, Hubballi, Tuticorin, Kishangarh, Dholera and Solapur.

The initiative is aligned with the vision of Aatmanirbhar Bharat and follows the mandate of the government to strengthen domestic aviation training infrastructure.

EXPANSION MODE. E-tenders have been floated for setting up FTOs at airports located in Keshod, Kadapa, Hubballi, Tuticorin, Kishangarh, Dholera and Solapur.

Speaking to *businessline*, industry participants said the move could help expand the country's pilot training ecosystem and improve access to flying training facilities.

"Expanding the number of FTOs will help create additional training capacity and support the growing requirements of the aviation sector," a senior aviation industry official said.

Another industry source said that locating FTOs at regional airports could help utilise available infrastructure while easing congestion at existing training bases.

"The expansion of training infrastructure at multiple airports will allow training organisations to scale operations and improve access to flying hours for trainee pilots," he said.

As per official data, India currently has 38 Directorate General of Civil Aviation-approved flying training organisations operating at 57 flying bases, with facilities run by government, state government and private operators.

Recent data submitted to Parliament highlights the scale of India's aviation workforce and the importance of training infrastructure.

PILOT CRUNCH

Last year, Minister of State for Civil Aviation Murlidhar Mohol informed the Lok Sabha that India will require around 30,000 pilots over the next 15-20 years to meet the growing demand in the aviation sector. Currently, India has 25,001 active pilots holding licences issued by the Directorate General of Civil Aviation.

The data showed that the total includes 10,261 airline transport pilot licence (ATPL) holders, while 12,480 pilots hold commercial pilot licences (CPL) for aeroplanes and 777 CPL holders for helicopters.

In addition, 1,477 pilots hold private pilot licences for aeroplanes and six for helicopters, according to the written reply in Parliament.

Aviation industry observers said expanding training infrastructure could help increase the number of flying bases for pilot training and support future demand for skilled personnel.

THE STATESMAN KOLKATA 8 MARCH 2026

AAI denies seeking ATF stock details from airports:

Airports Authority of India (AAI) has denied media reports claiming it sought Aviation Turbine Fuel (ATF) stock details from international airports amid the West Asia situation. AAI said it made no such request and clarified it does not oversee fuel inventories, urging the public to avoid spreading unverified information.

भारतीय विमानपत्तन प्राधिकरण
AIRPORTS AUTHORITY OF INDIA
Corporate Communications Directorate

DESHBANDHU DELHI 9 MARCH 2026

प्रोटोकॉल विवाद पर ममता का भाजपा पर हमला

राष्ट्रपति का अपमान करने की संस्कृति भाजपा की

कोलकाता, 8 मार्च (एजेंसियां)। पश्चिम बंगाल की मुख्यमंत्री ममता बनर्जी ने रविवार को कहा है कि सिलीगुड़ी में राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू के कार्यक्रम में प्रोटोकॉल का उल्लंघन नहीं हुआ। उन्होंने कहा कि कार्यक्रम में अगर कोई गड़बड़ी हुई है, तो उसकी जिम्मेदारी निजी आयोजकों व भारतीय विमानपत्तन प्राधिकरण की है, जिसने कार्यक्रम स्थल उपलब्ध कराया था। उन्होंने कहा कि

राष्ट्रपति का अपमान करने की संस्कृति भाजपा की है। उन्होंने तस्वीर को 'सबूत' बताते हुए दावा किया कि तस्वीर में दिख रहा है कि प्रधानमंत्री बैठे हैं, जबकि राष्ट्रपति खड़ी हैं। हम ऐसा कभी नहीं करते।

बंगाल को निशाना क्यों बना रहे हो

मुख्यमंत्री ने कहा कि सिलीगुड़ी के महापौर गौतम देब ने प्रोटोकॉल का पालन करते हुए बागडोगरा में राष्ट्रपति का स्वागत किया। मैं लोगों के अधिकारों की रक्षा के लिए धरने पर बैठी हूं। मैं कैसे जा सकती हूं? ममता ने कहा- आप विधानसभा चुनाव से पहले बंगाल को निशाना बना रहे हैं और जो मन में आए, वो बोल रहे हैं। क्यों?

भारतीय विमानपत्तन प्राधिकरण
AIRPORTS AUTHORITY OF INDIA
Corporate Communications Directorate

DESHBANDHU DELHI 9 MARCH 2026

नोएडा इंटरनेशनल एयरपोर्ट को गंगा एक्सप्रेस वे से जोड़ने की तैयारी तेज

- 74.3 किमी लिंक एक्सप्रेस वे के लिए भूमि खरीद शुरू
- 16 गांवों की 740 एकड़ जमीन ली जाएगी, किसानों की सूची प्रकाशित

लिंक एक्सप्रेस वे के लिए भूमि खरीद की प्रक्रिया शुरू हो चुकी है। एक माह में पूरी भूमि खरीद का लक्ष्य रखा गया है, ताकि इसी वर्ष निर्माण कार्य शुरू कराया जा सके : राजेश कुमार, एसीईओ, यीडा

ग्रेटर नोएडा, 8 मार्च (देशबन्धु)। नोएडा इंटरनेशनल एयरपोर्ट को गंगा एक्सप्रेस वे से जोड़ने के लिए प्रस्तावित 74.3 किलोमीटर लंबे लिंक एक्सप्रेस वे परियोजना को लेकर प्रक्रिया तेज हो गई है। यमुना एक्सप्रेस वे औद्योगिक विकास प्राधिकरण (यीडा) ने इसके लिए भूमि खरीद की शुरुआत करते हुए छह गांवों के किसानों की सूची प्रकाशित कर दी है। किसानों से 3808 रुपए प्रति वर्गमीटर (एक्सग्रेशिया सहित) और सात प्रतिशत आबादी भूखंड अथवा 4300 रुपए प्रति वर्गमीटर की दर से जमीन खरीदी जाएगी।

यीडा के एसीईओ राजेश कुमार ने बताया कि उत्तर प्रदेश एक्सप्रेस वे औद्योगिक विकास प्राधिकरण (यूपीडा) गंगा एक्सप्रेस वे को यमुना एक्सप्रेस वे से जोड़ने के लिए इस लिंक एक्सप्रेस वे का निर्माण करेगा। यह एक्सप्रेस वे गंगा एक्सप्रेस वे पर बुलंदशहर के सियाना क्षेत्र के पास 44.3 किलोमीटर प्वाइंट से शुरू होकर यमुना एक्सप्रेसवे के 24.8 किलोमीटर प्वाइंट पर सेक्टर-21 स्थित प्रस्तावित फिल्म सिटी के पास जुड़ेगा।

करीब 20 किलोमीटर लंबा हिस्सा यीडा क्षेत्र में आएगा, जिसमें से लगभग 9 किलोमीटर का भाग एलिवेटेड बनाया जाएगा। इस परियोजना के लिए कुल 16 गांवों की लगभग 740 एकड़ भूमि खरीदी जानी है। भूमि अधिग्रहण प्रक्रिया के तहत कलूपुरा, अमानुल्लापुर उर्फ मारहरा, भुन्नातगा, रबूपुरा, म्याना और कपना गांवों के खसरा नंबरों की सूची प्रकाशित कर किसानों से 15 दिनों के भीतर आपत्तियां मांगी गई हैं। प्राधिकरण ने एक माह के भीतर पूरी भूमि खरीद का लक्ष्य तय किया है, जिसके लिए गांव-गांव शिविर लगाए जाएंगे।

यमुना सिटी के कई सेक्टरों को मिलेगा सीधा कनेक्शन

यह लिंक एक्सप्रेस वे नोएडा-ग्रेटर नोएडा एक्सप्रेस वे की तर्ज पर विकसित किया जाएगा। इसका कैरिजवे 80 मीटर चौड़ा होगा और दोनों तरफ 25-25 मीटर की सर्विस रोड बनाई जाएगी। साथ ही लगभग 9 किलोमीटर का हिस्सा यमुना एक्सप्रेस वे की तरह ऊंचाई पर बनाया जाएगा। सेक्टरों तक पहुंच के लिए कई अंडरपास भी बनाए जाएंगे।

इस एक्सप्रेस वे से यमुना सिटी के सेक्टर-21, 28, 33, 34, 10, 11, 4, 5, 4ए और 5ए समेत कई आवासीय और औद्योगिक सेक्टर सीधे जुड़ेंगे। सेक्टर-5ए में जापानी सिटी, सेक्टर-4ए में कोरियन सिटी, सेक्टर-11 में फिनटेक हब और सेक्टर-21 में फिल्म सिटी विकसित की जानी है। इसके अलावा सेक्टर-10 में इलेक्ट्रॉनिक मैन्युफैक्चरिंग क्लस्टर तथा सेक्टर-28 में सेमीकंडक्टर और मेडिकल डिवाइस पार्क प्रस्तावित हैं।

एयरपोर्ट और एक्सप्रेस वे नेटवर्क को मिलेगा बड़ा लाभ

गंगा एक्सप्रेस वे के इस लिंक के बनने से नोएडा इंटरनेशनल एयरपोर्ट की कनेक्टिविटी और मजबूत होगी। इससे दिल्ली-मुंबई एक्सप्रेस वे, यमुना एक्सप्रेस वे और आगरा की ओर जाने वाले मार्ग पर आवाजाही और सुगम हो जाएगी। साथ ही यमुना सिटी के औद्योगिक सेक्टर 28, 29, 32 और 33 से एयरपोर्ट तक कार्गो वाहनों की पहुंच भी आसान हो जाएगी। भविष्य में इसे एनएच-34 से जोड़ने की संभावना भी जताई जा रही है।

1204 करोड़ रुपए को मिल चुकी मंजूरी

इस परियोजना के लिए 740 एकड़ भूमि खरीदी जानी है। भूमि खरीद के लिए उत्तर प्रदेश सरकार ने पिछले माह 1204 करोड़ रुपए की मंजूरी दे दी है। यीडा क्षेत्र के 16 गांवों में जमीन अधिग्रहण की प्रक्रिया शुरू कर दी गई है, जबकि एक्सप्रेस वे का निर्माण कार्य यूपीडा द्वारा कराया जाएगा।

23-26 मार्च के बीच हो सकता है नोएडा इंटरनेशनल एयरपोर्ट का उद्घाटन, तैयारियां तेज

- पीएमओ से उत्तर प्रदेश सरकार को मिला संकेत
- जनसभा की जिम्मेदारी जेवर विधायक धीरेंद्र सिंह और संगठन को दी गई

ग्रेटर नोएडा, 8 मार्च (देशबन्धु)। नोएडा इंटरनेशनल एयरपोर्ट के उद्घाटन को लेकर तैयारियां तेज हो गई हैं। सूत्रों के मुताबिक एयरपोर्ट का उद्घाटन 23 से 26 मार्च के बीच हो सकता है। प्रधानमंत्री और मुख्यमंत्री के बीच वार्ता होने के बाद 24 व 25 मार्च में किसी एक दिन उद्घाटन पर मोहर लग सकती है। इस संबंध में प्रधानमंत्री कार्यालय (पीएमओ) की ओर से उत्तर प्रदेश सरकार को पत्र मिलने की जानकारी सामने आई है। इसके बाद लखनऊ से उच्च अधिकारियों ने जिला प्रशासन और संबंधित विभागों को कार्यक्रम की तैयारियां तेज करने के निर्देश दिए हैं।

नोएडा इंटरनेशनल एयरपोर्ट का प्रथम चरण लगभग 1334 हेक्टेयर क्षेत्र में तैयार हो चुका है। एयरपोर्ट पर यात्री सुविधाएं, उपकरण और संचालन से जुड़ी व्यवस्थाएं विकसित कर ली गई हैं। सुरक्षा व्यवस्था को नागर विमानन सुरक्षा ब्यूरो (बीसीएएस) से मंजूरी मिलने के बाद नागरिक उड्डयन महानिदेशालय (डीजीसीए) ने एयरपोर्ट को एयरोड्रम लाइसेंस भी जारी कर दिया है, जो किसी भी एयरपोर्ट से व्यवसायिक उड़ान शुरू करने की अंतिम औपचारिकता होती है।

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के हाथों प्रस्तावित उद्घाटन कार्यक्रम को भव्य और ऐतिहासिक बनाने की तैयारी शुरू कर दी गई है। प्रशासनिक स्तर पर कार्यक्रम स्थल का चयन, जनसभा स्थल की रूपरेखा और वीवीआईपी आवागमन के मार्गों का चार्ट तैयार किया जा रहा है। सुरक्षा, यातायात और भीड़ प्रबंधन को लेकर भी अलग-अलग विभागों को जिम्मेदारियां सौंपी जा रही हैं।

उद्घाटन के अवसर पर प्रस्तावित जनसभा को ऐतिहासिक बनाने की जिम्मेदारी जेवर विधायक धीरेंद्र सिंह और पार्टी संगठन को सौंपी गई है। भाजपा संगठन के पदाधिकारियों और कार्यकर्ताओं को अधिक से अधिक लोगों की भागीदारी सुनिश्चित करने के निर्देश दिए गए हैं। इसके लिए क्षेत्र में बैठकों का दौर भी शुरू होने की संभावना है।

हालांकि, जिला प्रशासन के अधिकारियों का कहना है कि उन्हें उद्घाटन की तिथि को लेकर अभी आधिकारिक सूचना नहीं मिली है, लेकिन संभावित कार्यक्रम को देखते हुए तैयारियां प्रारंभ कर दी गई हैं। माना जा रहा है कि उद्घाटन की तारीख तय होते ही प्रशासन और संगठन की गतिविधियां और तेज हो जाएंगी।

TN fast-tracks Parandur airport project; activists cry foul

E T B SIVAPRIYAN
CHENNAI, DHNS

Despite protests, the Tamil Nadu government has given "special project" status to the proposed greenfield airport for Chennai in the Parandur Kanchipuram district. This could enable faster land consolidation, streamlined acquisition processes, and quicker approvals.

The move has drawn criticism from environmental activists, who fear the classification would help the government expedite the project by allowing construction over waterbodies and dry lands.

As many as 1,700 acres of the nearly 3,800 acres needed for the project have already been purchased from individual landowners across 13 revenue villages for the airport construction, while the government already owns 1,900 acres of the total 5,746 acres required.

Land acquisition for the project picked up in June last year after the government announced Rs 0.15-1.10 crore-per-acre compensation.

However, Ekanapuram village residents, where the proposed airport runway will be built, have strongly opposed the project since August 2022, delaying land acquisition. They refuse to relocate, as about 600 of the 1,000 houses slated for demolition belong to that village alone.

To be developed at Rs 27,000 crore, the airport will feature two runways, a dedicated cargo village, and an aero city. In a gazette notification issued recently, the government notified the "Parandur New Greenfield Airport Project as a Special Project under the Tamil Nadu Land Consolidation (for Special Projects) Act, 2023.

The designation enables faster land consolidation, streamlined acquisition processes, and quicker approvals for large infrastructure developments. It allows the government to consolidate contiguous land parcels of at least 100 hectares that contain such water bodies and allocate them for commercial, industrial, or infrastructure ventures classified as "Special Projects".

GROUND REALITY

- 3,800 acres of land needed to be purchased for the project
- 1,700 acres already been purchased from individual landowners across 13 revenue villages
- Government already owns 1,900 acres of the total 5,746 acres required for the project

DAINIK JAGRAN   DELHI   9 MARCH 2026

राष्ट्रपति के कार्यक्रम में प्रोटोकाल का कोई उल्लंघन नहीं हुआ : ममता बनर्जी

टीएमसी की ओर से रविवार को जारी पुरानी तस्वीर, जिसमें राष्ट्रपति खड़ी होकर लालकृष्ण आडवाणी को भारत रत्न दे रही है और पीएम मोदी कुर्सी पर बैठे हैं • टीएमसी

ममता बनर्जी

- **ममता ने बंगाल दौरे में राष्ट्रपति के अपमान के आरोपों को किया खारिज**

राज्य ब्यूरो, जागरण • कोलकाता: राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मु के बंगाल दौरे में प्रोटोकाल के उल्लंघन और कार्यक्रम स्थल पर अव्यवस्था के आरोपों पर घमासान के बीच मुख्यमंत्री ममता बनर्जी ने रविवार को स्पष्ट कहा कि प्रोटोकाल का कोई उल्लंघन नहीं हुआ है। ममता ने कोलकाता के धर्मतल्ला में धरना मंच से कहा कि राष्ट्रपति एक निजी कार्यक्रम के लिए बंगाल आई थीं और इसमें बंगाल सरकार शामिल नहीं थी। राष्ट्रपति के अपमान के आरोपों को सिरे से खारिज करते हुए कहा कि कार्यक्रम में कुप्रबंधन के लिए निजी संस्था (आयोजक) और केंद्र सरकार के अधीन एयरपोर्ट अथारिटी आफ इंडिया जिम्मेदार है।

दावा किया कि निजी संस्था ने राज्य सरकार को राष्ट्रपति के कार्यक्रम के विवरण या कोई जानकारी भी नहीं दी थी। कहा-मैं एसआइआर में लोगों के नाम मतदाता सूची से हटाए जाने के खिलाफ धरने पर बैठी हूं, इसलिए नहीं जा सकी। सफाई दी कि राज्य सरकार की ओर से सिलीगुड़ी के मेयर गौतम देब वहां मौजूद थे। भाजपा पर हमला बोलते हुए कहा, सामने विधानसभा चुनाव है, इसलिए ऐसे आरोप लगाकर जानबूझकर निशाना बनाया जा रहा और बदनाम किया जा रहा है।

ममता ने पीएम पर राष्ट्रपति के अपमान का लगाया आरोप

ममता ने प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी पर पलटवार करते हुए कहा कि राष्ट्रपति का अपमान मैं नहीं बल्कि पीएम कर रहे हैं। एक पुरानी तस्वीर पूर्व उपप्रधानमंत्री लालकृष्ण आडवाणी को भारत रत्न देते वक्त की दिखाई, जिसमें राष्ट्रपति मुर्मु आडवाणी को अवार्ड प्रदान करते वक्त खड़ी थीं जबकि पीएम मोदी कुर्सी पर बैठे थे।

भारतीय विमानपत्तन प्राधिकरण
AIRPORTS AUTHORITY OF INDIA

Corporate Communications Directorate

RS DAINIK JAGRAN DELHI 9 MARCH 2026

बंगाल में राष्ट्रपति के कार्यक्रम में प्रोटोकाल का कोई उल्लंघन नहीं हुआ : ममता

राज्य ब्यूरो, जागरण • कोलकाता

▸ ममता ने बंगाल दौरे में राष्ट्रपति के अपमान के आरोपों को किया खारिज

राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मु के बंगाल दौरे में प्रोटोकाल के उल्लंघन और कार्यक्रम स्थल पर अव्यवस्था के आरोपों पर घमासान के बीच मुख्यमंत्री ममता बनर्जी ने रविवार को स्पष्ट कहा कि प्रोटोकाल का कोई उल्लंघन नहीं हुआ है। ममता ने कोलकाता के धर्मतल्ला में धरना मंच से कहा कि राष्ट्रपति एक निजी कार्यक्रम के लिए बंगाल आई थीं और इसमें बंगाल सरकार शामिल नहीं थी। राष्ट्रपति के अपमान के आरोपों को सिरे से खारिज करते हुए कहा कि कार्यक्रम में कुप्रबंधन के लिए निजी संस्था (आयोजक) और केंद्र सरकार के अधीन एयरपोर्ट अथारिटी आफ इंडिया जिम्मेदार है। दावा किया कि निजी संस्था ने राज्य सरकार को राष्ट्रपति के कार्यक्रम के विवरण या कोई जानकारी भी नहीं दी थी।

ममता ने कहा कि जहां यह कार्यक्रम हुआ वह क्षेत्र एयरपोर्ट अथारिटी आफ इंडिया का है। ऐसे में अगर वहां कुछ भी बुरा हुआ है या कुप्रबंधन तो इसकी जिम्मेदारी निजी आयोजक और एयरपोर्ट अथारिटी की है। राष्ट्रपति के स्वागत के लिए न तो मुख्यमंत्री और न ही राज्य सरकार के

ममता बनर्जी।

किसी मंत्री के पहुंचने के आरोपों पर कहा कि मैं एसआइआर में बड़ी संख्या में लोगों के नाम मतदाता सूची से हटाए जाने के खिलाफ कोलकाता में धरने पर बैठी हूं, इसलिए खुद नहीं जा सकी। हम राष्ट्रपति की कुर्सी और संविधान का पूरा सम्मान करते हैं। संविधान हमारी मां जैसा है और हम कभी कुर्सी का अपमान नहीं करते।

ममता ने कहा कि राष्ट्रपति का अपमान मैं नहीं बल्कि पीएम कर रहे हैं। एक पुरानी तस्वीर पूर्व उपप्रधानमंत्री लालकृष्ण आडवाणी को भारत रत्न देते वक्त की दिखाई, जिसमें राष्ट्रपति मुर्मु आडवाणी को अवार्ड प्रदान करते वक्त खड़ी थीं जबकि पीएम मोदी कुर्सी पर बैठे थे।

भारतीय विमानपत्तन प्राधिकरण
AIRPORTS AUTHORITY OF INDIA
Corporate Communications Directorate

DAINIK JAGRAN KANPUR 7 MARCH 2026

नोएडा एयरपोर्ट को डीजीसीए से एयरोड्रोम लाइसेंस

जाब्यू, नई दिल्ली : नागरिक उड्डयन क्षेत्र में एक महत्वपूर्ण कदम के तहत नागरिक उड्डयन महानिदेशालय (डीजीसीए) ने उत्तर प्रदेश के गौतमबुद्ध नगर के जेवर में बने नोएडा इंटरनेशनल एयरपोर्ट को एयरोड्रोम लाइसेंस दे दिया है। यह लाइसेंस यमुना इंटरनेशनल एयरपोर्ट प्राइवेट लिमिटेड को दिया गया है, जो इस हवाई अड्डे का विकास और संचालन कर रही है। इस लाइसेंस के साथ ही एयरपोर्ट से उड़ानों के संचालन का रास्ता साफ हो गया है। नोएडा इंटरनेशनल एयरपोर्ट का विकास यमुना इंटरनेशनल एयरपोर्ट प्राइवेट लिमिटेड द्वारा किया गया है, जो ज्यूरिख एयरपोर्ट इंटरनेशनल एजी की पूर्ण स्वामित्व वाली सहायक कंपनी है।

भारतीय विमानपत्तन प्राधिकरण
AIRPORTS AUTHORITY OF INDIA

Corporate Communications Directorate

THE FINANCIAL EXPRESS DELHI 9 MARCH 2026

Women take on key roles at Noida International airport

KISHOR DWIVEDI
Noida/Lucknow, March 8

WOMEN PROFESSIONALS ARE playing a key role in the development and operational planning of the upcoming Noida International Airport, contributing across leadership, technical and aviation safety functions as the greenfield project prepares to begin passenger operations.

The airport, which recently received its aerodrome licence from the Directorate General of Civil Aviation (DGCA), is expected to begin passenger services within the next one-and-a-half to two months, officials said. Spread across more than 1,300 hectares in its first phase, it has been developed with a single runway and terminal building capable of handling around 12 million passengers annually.

Airport authorities noted that the project has enabled the organisation to build a diverse workforce from the ground up, ensuring that women participate not only in leadership roles but also in technical, safety and operational functions critical to running a modern international airport.

"From leadership positions to frontline operational teams, women today contribute across a wide spectrum of airport functions including operations planning, architecture and design, finance, digital systems, regulatory functions and commercial operations," an official associated with the project said.

The airport's leadership structure includes several senior positions held by women, reflecting an effort to integrate gender diversity into the project's organisational framework from its early stages. —PTI

भारतीय विमानपत्तन प्राधिकरण
AIRPORTS AUTHORITY OF INDIA
Corporate Communications Directorate

HINDUSTAN DELHI 9 MARCH 2026

नोएडा एयरपोर्ट को गंगा एक्सप्रेसवे से जोड़ने के लिए बनेगा, 16 गांवों की 740 एकड़ जमीन खरीदी जाएगी

लिंक एक्सप्रेसवे के निर्माण की तैयारी तेज

परियोजना

ग्रेटर नोएडा, वरिष्ठ संवाददाता। नोएडा इंटरनेशनल एयरपोर्ट को गंगा एक्सप्रेसवे से जोड़ने के लिए बनने वाले 74.3 किलोमीटर लंबे लिंक एक्सप्रेसवे के लिए भूमि खरीद की प्रक्रिया शुरू हो गई। अप्रैल तक जमीन खरीद ली जाएगी।

यमुना विकास प्राधिकरण (यीडा) ने भूमि खरीद के लिए छह गांवों के किसानों की सूची का प्रकाशन किया। किसानों से 3808 रुपये प्रति वर्गमीटर (एक्सग्रेसिया सहित) और सात प्रतिशत आबादी भूखंड अथवा 4300 रुपये प्रति वर्गमीटर की दर पर भूमि खरीद होगी। एसीईओ ने बताया कि उत्तरप्रदेश एक्सप्रेसवे औद्योगिक विकास प्राधिकरण (यूपीडा) गंगा को यमुना एक्सप्रेसवे को जोड़ने के लिए लिंक एक्सप्रेसवे बनाएगा। लिंक एक्सप्रेसवे, गंगा एक्सप्रेसवे पर 44.3 किलोमीटर यानी बुलंदशहर के सियाना क्षेत्र से शुरू होगा और यमुना एक्सप्रेसवे के 24.8 किलोमीटर यानी सेक्टर-21 फिल्म सिटी के पास आकर जुड़ेगा। इस लिंक एक्सप्रेसवे का करीब 20 किलोमीटर का हिस्सा यीडा क्षेत्र में है। नौ किलोमीटर का हिस्सा एलिवेटेड होगा। इसके लिए 16 गांवों की लगभग 740 एकड़ भूमि खरीदी जानी है।

यीडा ने भूमि खरीद की प्रक्रिया को शुरू करते हुए कलूपुरा के 54 खसरा, अमानुल्लापुर उर्फ मारहरा के 30 खसरा, भुन्नातगा के 14 खसरा, रबूपुरा के 15 और म्याना के दो खसरा और कपना के 74 खसरा नंबर की भूमि के लिए किसानों की सूची का प्रकाशन किया है। इनमें 15 दिनों में आपत्ति मांगी गई है। लिंक एक्सप्रेसवे से यमुना सिटी के दस से ज्यादा आवासीय और औद्योगिक सेक्टरों को जोड़ा जाएगा।

गंगा एक्सप्रेसवे का निर्माण कार्य लगभग पूरा हो चुका है। • हिन्दुस्तान

दिल्ली-मुंबई समेत आगरा तक राह आसान होगी

नोएडा इंटरनेशनल एयरपोर्ट से जुड़ने पर गंगा एक्सप्रेसवे की उपयोगिता और बढ़ जाएगी। गंगा के यमुना एक्सप्रेसवे से जुड़ने के बाद नोएडा इंटरनेशनल एयरपोर्ट, दिल्ली-मुंबई एक्सप्रेसवे और यमुना एक्सप्रेसवे पर आगरा से ग्रेटर नोएडा तक की राह आसान हो जाएगी। इसके अलावा लिंक एक्सप्रेसवे का यमुना सिटी के औद्योगिक सेक्टर 28, 29, 32, 33 से भी सीधा जुड़ाव होगा। इससे कार्गो के वाहन को एयरपोर्ट तक पहुंचने या इससे जुड़े किसी भी रूट पर पहुंचना आसान हो जाएगा। इसके साथ ही लिंक एक्सप्रेसवे को एनएच 34 से भी जोड़ा जा सकता है, हालांकि अभी इसे लेकर कोई कार्य योजना तैयार नहीं है।

"लिंक एक्सप्रेसवे के लिए भूमि खरीद की प्रक्रिया शुरू हो चुकी है। एक माह में भूमि खरीद का लक्ष्य रखा गया है, ताकि इसी वर्ष में ही लिंक एक्सप्रेसवे का निर्माण कार्य शुरू कराया जा सके। -राजेश कुमार, एसीईओ यीडा

स्पोर्ट्स सिटी के भूखंड पर 14 आपत्तियां

नोएडा, प्रमुख संवाददाता। स्पोर्ट्स सिटी वाले सेक्टर-150 के एससी-02 स्थित भूखंड को विकसित करने से जुड़ी 14 आपत्तियां आई हैं। अब इन आपत्तियों का प्राधिकरण एक सप्ताह में निस्तारण करेगा। इसके बाद संशोधित मास्टर प्लान को मंजूरी दी जाएगी।

इस भूखंड के एक हिस्से में गहरा गड्ढा हो चुका है। करीब 50 दिन पहले पानी से भरे इस गडढे में कार सहित गिरने से सॉफ्टवेयर इंजीनियर की मौत हो गई थी। प्राधिकरण के अधिकारियों ने बताया कि लोगों ने हरियाली का हिस्सा कम करने, एफएआर अधिक देने सहित अन्य आपत्तियां लगाई हैं। आपत्तियां दर्ज कराने वालों में अधिकांश बिल्डर हैं। दस दिन में आपत्तियों का निस्तारण कर संशोधित मास्टर प्लान के मंजूरी से संबंधित प्रस्ताव को इस महीने होने वाली बोर्ड बैठक में रखा जाएगा। कुछ माह पहले स्पोर्ट्स सिटी प्रोजेक्ट के आवंटी संस्था ने एससी-02, सेक्टर-150 का संशोधित मास्टर प्लान प्रस्तुत किया था।

एलिवेटेड रोड ढाई वर्ष में बनकर तैयार होगी

गुरुग्राम। द्वारका एक्सप्रेसवे को गुरुग्राम-सोहना हाईवे से जोड़ने के लिए एसपीआर (सर्दर्न पेरिफेरियल रोड) पर 4.2 किलोमीटर लंबी एलिवेटेड रोड निर्माण के लिए टेंडर प्रक्रिया शुरू हो गई है। गुरुग्राम महानगर विकास प्राधिकरण ने 754 करोड़ रुपये की लागत से टेंडर जारी कर दिया है। इसके आवंटन के 30 महीने के अंदर यह एलिवेटेड रोड बनकर तैयार हो जाएगा।

एयरपोर्ट का शुभारंभ 25 मार्च तक संभव

ग्रेटर नोएडा। नोएडा इंटरनेशनल एयरपोर्ट का उद्घाटन 23 से 25 मार्च के बीच संभव है। सूत्रों के मुताबिक उत्तरप्रदेश सरकार को पीएमओ से मामले में चिट्ठी मिली है, जिसके बाद लखनऊ से उच्च अफसरों ने जिलास्तरीय अधिकारियों को कार्यक्रम की तैयारियां तेज करने के आदेश दिए गए हैं।

नोएडा इंटरनेशनल एयरपोर्ट के प्रथम चरण के तहत 1334 हेक्टेयर में निर्माण कार्य पूरा हो चुका है। यहां सभी प्रकार के उपकरण समेत अन्य यात्री सुविधाएं विकसित की जा चुकी है।

ग्रेनो से फरीदाबाद जाना आसान होगा

ग्रेटर नोएडा। ग्रेटर नोएडा के सेक्टर टेक्जोन आईटी सिटी से वीवो कंपनी तक सड़क की मरम्मत का काम शुरू कर दिया गया है। यह मार्ग क्षेत्र के गांव जगनपुर से होते हुए यमुना नदी पर बने मंझावली पुल से जुड़ता है। इससे इलाके में आवागमन सुगम हो जाएगा।

ग्रेटर नोएडा से अनुमति लेकर लोक निर्माण विभाग द्वारा सड़क की मरम्मत का कार्य किया जा रहा है। मंझावली पुल बनकर तैयार हो गया है। ग्रेटर नोएडा की तरफ संपर्क मार्ग का काम पूरा होने का इंतजार है। इसके बाद फरीदाबाद पहुंचना आसान हो जाएगा।

भारतीय विमानपत्तन प्राधिकरण
AIRPORTS AUTHORITY OF INDIA
Corporate Communications Directorate

HINDUSTAN DELHI 9 MARCH 2026

बंगाल में राष्ट्रपति के प्रोटोकॉल उल्लंघन मामले ने तूल पकड़ा

घमासान

नई दिल्ली, एजेंसी। राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मु के पश्चिम बंगाल दौरे में प्रोटोकॉल के कथित उल्लंघन मामले ने तूल पकड़ लिया है। केंद्र सरकार ने राज्य सरकार से प्रोटोकॉल, स्थल और मार्ग व्यवस्था से संबंधित उल्लंघनों पर जवाब देने को कहा है। सूत्रों ने यह जानकारी दी।

केंद्र सरकार ने पश्चिम बंगाल के मुख्य सचिव को एक पत्र लिखकर 'ब्लू बुक' के नियमों के उल्लंघन, प्रोटोकॉल, स्थल और मार्ग व्यवस्था के बारे में जवाब देने के लिए कहा है। ब्लू बुक एक गोपनीय दस्तावेज है जिसमें राष्ट्रपति, उपराष्ट्रपति, प्रधानमंत्री एवं उनके परिवारों की सुरक्षा और प्रोटोकॉल के नियमों की सूची है।

प्रतिक्रिया मांगी : उच्च पदस्थ सूत्रों ने कहा कि पश्चिम बंगाल के मुख्य सचिव को भेजे गए पत्र में राष्ट्रपति के राज्य में आगमन के समय मुख्यमंत्री, मुख्य सचिव और पुलिस महानिदेशक की अनुपस्थिति पर प्रतिक्रिया मांगी गई है। कहा गया है कि यह ब्लू बुक के नियमों का गंभीर उल्लंघन है। केंद्र सरकार ने यह भी कहा कि केवल सिलीगुड़ी के महापौर राष्ट्रपति का स्वागत करने के लिए मौजूद थे, जो प्रोटोकॉल का उल्लंघन है।

सरकार ने उल्लंघन नहीं किया : ममता बनर्जी

कोलकाता। पश्चिम बंगाल की मुख्यमंत्री ममता बनर्जी ने रविवार को जोर देकर कहा कि सिलीगुड़ी में राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मु के कार्यक्रम में प्रोटोकॉल का कोई उल्लंघन नहीं हुआ।

उन्होंने कहा कि कार्यक्रम में अगर कोई गड़बड़ी हुई है, तो उसकी जिम्मेदारी निजी आयोजकों व भारतीय विमानपत्तन प्राधिकरण की है।

लोकतांत्रिक मर्यादाएं तार-तार : केशव प्रसाद

प्रयागराज। उपमुख्यमंत्री केशव प्रसाद मौर्य ने राष्ट्रपति के कार्यक्रम से दूरी बनाए जाने को लेकर बंगाल सरकार पर निशाना साधा। उन्होंने तंज कसते हुए कहा कि पश्चिम बंगाल में ममता दीदी के नेतृत्व में तृणमूल सरकार का निरंकुश और अराजक आचरण लोकतांत्रिक मर्यादाओं को लगातार तार-तार कर रहा है। कहा कि घुसपैठियों को संरक्षण देते-देते यह शासन अब असम्मान का प्रतीक बन गया है।

प्रोटोकॉल का ध्यान रखना जरूरी : मायावती

लखनऊ। बसपा सुप्रीमो मायावती ने राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मु को बंगाल में पद के अनुरूप प्रोटोकाल न मिलने के मामले में नाराजगी जताई है। उन्होंने एक्स पर एक पोस्ट में रविवार को लिखा कि भारतीय संविधान के आदर्श व मान-मर्यादा के मुताबिक सभी को राष्ट्रपति पद का सम्मान करना चाहिए। उनके प्रोटोकाल का भी ध्यान रखना जरूरी है और इस पद का किसी भी रूप में राजनीतिकरण करना ठीक नहीं है।

भारतीय विमानपत्तन प्राधिकरण
AIRPORTS AUTHORITY OF INDIA
Corporate Communications Directorate

HINDUSTAN TIMES MUMBAI 8 MARCH 2026

WAR IN WEST ASIA: 100 FLIGHTS CANCELLED AT MUMBAI AND DELHI AIRPORTS

MUMBAI: Airline passengers are facing significant, widespread delays and cancellations at Mumbai and across Indian cities due to escalating conflicts and airspace restrictions across West Asia. On Saturday, at least 100 international flights were cancelled at the Mumbai and Delhi airports on Saturday as the Middle East crisis continued to impact flight operations.

As many as 35 departures and 36 arrivals were cancelled at the Mumbai airport while 22 departures and 17 arrivals were cancelled at the Delhi airport, according to officials.

Delhi airport operator DIAL, in a post on X, said due to the current situation in the Middle East, some west-bound international flights may experience delays or schedule changes.

The conflict involving the US, Israel, and Iran that started on February 28 has significantly impacted flight operations as some of the airspaces in the Middle East are closed. Many airlines are only operating a limited number of services. PTI

भारतीय विमानपत्तन प्राधिकरण
AIRPORTS AUTHORITY OF INDIA
Corporate Communications Directorate

HINDUSTAN TIMES PATNA 8 MARCH 2026

Clearance for Greenfield Airport site in Sonepur approved: Rudy

HT Correspondent
letters@hindustantimes.com

PATNA: The proposed Greenfield Airport in Sonepur, has been granted site clearance by the ministry of civil aviation, Government of India.

Sharing this information, Saran MP Rajiv Pratap Rudy said that obtaining site clearance for Greenfield airports is always a major challenge. "The steering committee, chaired by Samir Singh, secretary of the ministry of civil aviation, included officials from the departments of home affairs, defence, economic affairs, revenue, NITI Aayog, the Indian Meteorological Department, the Airports Authority of India, and the Directorate General of Civil Aviation. Despite two adjournments, Bihar received this site clearance in a relatively short time," said Rudy.

The MP said, "This is not merely administrative approval, but a decision that gives wings to the aspirations of Saran and North Bihar, opening the door to the region's overall development, employment generation, and global connectivity."

He explained that the processes related to land, technical standards, and coordination with various central agencies for this project were progressed in a phased manner. "After the site clearance, the RFP will be issued, a consultant will be appointed, and a detailed project report (DPR) is being prepared. Such projects have the potential to attract investments of approximately ₹10,000 crore, which will give a new impetus to the state's development," he said and added that the airport will become an important aviation hub for Northeast India, Bhutan, Nepal, West Bengal, and Bihar and has the potential to develop into a major air hub in South Asia, enabling better connectivity to Europe, the United States, and Australia in the future.

Govt. notifies airport proposal at Parandur as a 'special project'

Notification to ease process of land acquisition for the 5,746-acre project; govt. to form a five-member committee to draft consolidation scheme

The Hindu Bureau
CHENNAI

The Tamil Nadu government has so far acquired 1,700 acres for the proposed airport. FILE PHOTO

The Tamil Nadu government has notified the proposed Parandur airport as a 'special project' under the Tamil Nadu Land Consolidation (for Special Projects) Act, 2023 through a Gazette notification on March 2, thus easing the process of land acquisition.

Projects which need over 100 hectares of land for implementation can be notified as a special project.

Sources said that notifying a project requiring a single large parcel of land, which includes waterbodies, as a special project would facilitate quicker land consolidation, expedite the acquisition process, and aid in the approval process as well.

The State government has so far acquired 1,700 acres for the project, of the total of 5,746 acres (2,172.72 hectares) required. Environmental activists have often raised concerns over the presence of many waterbodies in and around the proposed project area and how the project would affect the areas surrounding Parandur. A hydrological report was also prepared and submitted to the State government in the past.

"The overall water storage and the carrying capacity of the water bodies in the project area will not be diminished in any way. Alternative plans will have an equivalent proportion of the water storage or the carrying capacity as in the project area," a source said.

Now, the State government will form a five-member committee which includes experts from the Water Resources Department, ecological conservation, civil engineering, and hydrology, and the district revenue officer which will hold a public hearing and draw up a draft consolidation scheme.

The government plans to float bids for the ₹27,400 crore-project later this year. The airport's handling capacity is projected to be 100 million passengers a year when all four phases come to an end.

भारतीय विमानपत्तन प्राधिकरण
AIRPORTS AUTHORITY OF INDIA
Corporate Communications Directorate

JANSATTA DELHI 9 MARCH 2026

‘प्रोटोकाल’ का कोई उल्लंघन नहीं किया : ममता

मतदाता सूची के विशेष गहन पुनरीक्षण के विरोध में रविवार को कोलकाता में लगातार तीसरे दिन धरने के दौरान मुख्यमंत्री ममता बनर्जी।

कोलकाता, 8 मार्च (भाषा)।

मुख्यमंत्री ममता बनर्जी ने रविवार को जोर देकर कहा कि सिलीगुड़ी में राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू के कार्यक्रम में दिशानिर्देशों का कोई उल्लंघन नहीं हुआ। उन्होंने कहा कि कार्यक्रम में अगर कोई गड़बड़ी हुई है, तो उसकी जिम्मेदारी निजी आयोजकों व भारतीय विमानपत्तन प्राधिकरण की है, जिसने कार्यक्रम स्थल उपलब्ध कराया था।

प्रधानमंत्री मोदी ने तृणमूल सरकार पर देश की राष्ट्रपति का अपमान करने का आरोप लगाया था, जिसके जवाब में ममता ने कोलकाता में धरना स्थल पर प्रधानमंत्री की एक बड़ी तस्वीर दिखाई, जिसमें मोदी भाजपा के वरिष्ठ नेता एल के आडवाणी के साथ बैठे हैं और राष्ट्रपति उनके बगल में खड़े हैं। उन्होंने तस्वीर को सबूत बताते हुए दावा किया कि तस्वीर में दिख रहा है कि प्रधानमंत्री बैठे हैं जबकि राष्ट्रपति खड़े हैं। हम ऐसा कभी नहीं करते। राष्ट्रपति का अपमान करने की संस्कृति भाजपा की है, हमारी नहीं।

प्रधानमंत्री मोदी को पहले पद से इस्तीफा देना चाहिए : ममता

मुख्यमंत्री ममता बनर्जी ने कहा कि नरेंद्र मोदी को पहले इस्तीफा देना चाहिए, क्योंकि वे उन लोगों के वोट से प्रधानमंत्री बने थे, जिनके नाम निर्वाचन आयोग द्वारा मतदाता सूची के विशेष गहन पुनरीक्षण के दौरान मनमाने ढंग से हटाए जा रहे हैं। उन्होंने कहा कि मुख्य चुनाव आयुक्त ज्ञानेश कुमार को प्रधानमंत्री से इस्तीफा देने के लिए कहना चाहिए। बनर्जी ने पश्चिम बंगाल में जारी पुनरीक्षण प्रक्रिया के विरोध में मध्य कोलकाता में आयोजित धरने पर कहा कि अगर मोदी 2024 में इस मतदाता सूची के आधार पर प्रधानमंत्री बन सकते हैं, तो इसमें शामिल लोगों को अपने मताधिकार का इस्तेमाल क्यों नहीं करने दिया जाना चाहिए?

भारतीय विमानपत्तन प्राधिकरण
AIRPORTS AUTHORITY OF INDIA
Corporate Communications Directorate

NAVBHARAT TIMES DELHI 9 MARCH 2026

PM हर चुनाव से पहले बंगाल को निशाना बनाते हैं: ममता

■ **NBT रिपोर्ट, नई दिल्ली:** राष्ट्रपति के प्रोटोकॉल को लेकर पीएम मोदी के बयान के बाद ममता बनर्जी ने पलटवार करते हुए कहा कि राज्य सरकार ने पहले ही पत्र लिखकर बताया था कि संबंधित निजी संगठन राष्ट्रपति स्तर का कार्यक्रम आयोजित करने मे सक्षम नही है, इसके बावजूद राष्ट्रपति ने अपने विवेक से निमंत्रण स्वीकार किया।

उन्होने कहा कि कार्यक्रम की व्यवस्था और उसमे आई कमियो के लिए आयोजक और एयरपोर्ट अथॉरिटी जिम्मेदार है, राज्य सरकार नही। ममता बनर्जी ने कहा, 'प्रधानमंत्री हर चुनाव से पहले बंगाल को निशाना बनाते है और राज्य का अपमान करते है। राष्ट्रपति के कार्यक्रम मे कोलकाता के मेयर मौजूद थे, जबकि वह खुद लोगो के अधिकारो को लेकर धरने मे शामिल थी। ऐसे मे मै वहां से कैसे जा सकती थी? धरना शुरू होने से पहले मुझे इस कार्यक्रम की जानकारी नही थी। मै यहा लोगो की लड़ाई लड़ रही हू।'

वही, तृणमूल कांग्रेस के वरिष्ठ नेता अभिषेक बनर्जी ने रविवार को केंद्रीय गृहमंत्री अमित शाह को राज्य मे उनकी पार्टी की सरकार और केंद्र सरकार के प्रदर्शन पर खुली बहस की चुनौती दी। उन्होने भारतीय जनता पार्टी (BJP) पर आरोप लगाया कि वह राष्ट्रपति के पद को राजनीतिक मामलो मे घसीटकर सस्ती राजनीति कर रही है। दक्षिण 24 परगना जिले के मथुरापुर मे अंतरराष्ट्रीय महिला दिवस के अवसर पर आयोजित एक रैली को संबोधित करते हुए बनर्जी, जिन्हे तृणमूल कांग्रेस (TMC) मे दूसरे नंबर का नेता माना जाता है, ने आरोप लगाया कि बीजेपी देश के हर बच्चे को 1.4 लाख रुपये से अधिक के कर्ज के बोझ मे धकेल रही है।

(इनपुट पीटीआई)

भारतीय विमानपत्तन प्राधिकरण
AIRPORTS AUTHORITY OF INDIA
Corporate Communications Directorate

THE PIONEER LUCKNOW 8 MARCH 2026

Speaker Om Birla repeatedly pressed for Kota airport: Naidu

PRESS TRUST OF INDIA
Kota

Lok Sabha Speaker Om Birla had asked for an airport in Kota and kept pressing him about it in every Parliament session, Union Civil Aviation Minister K Ram Mohan Naidu said on Saturday during the laying of the foundation for a Greenfield airport.

Addressing the gathering, Naidu praised Kota as the city associated with people from every part of the country through their children studying here and for its sandstone in construction.

The Greenfield airport will now facilitate people from any part of the country to fly to Kota, which has been difficult in the absence of an airport, he said. Naidu recalled, "Birla called me into his chamber and said, 'Greenfield airport has to be constructed in Kota, tell me when you are going to do it?'. Since then, he has been pressing me in every session about its construction."

Union Civil Aviation Minister K Ram Mohan Naidu

On the occasion, the Speaker thanked Prime Minister Narendra Modi for fulfilling the promise of the airport that he made in Kota during the 2023 campaign.

He also thanked Rajasthan Chief Minister Bhajan Lal Sharma and Naidu and said, "Both are committed to completing it by 2027".

The Union Minister said, "Under the leadership of Modi, a new airport is being constructed in the country every 45 days, and it is only because 'Modi Hai to Mumkin Hai'."

Earlier, leaders and people used to demand railway connectivity to their city, but now they demand air connectivity, he said.

The airport will bring a huge difference in the lives of the people with growth and opportunities for employment, Naidu said, mentioning the example of Bihar's Purnia, where the airport witnessed footfall of one lakh people in five months, adding one operational flight offered employment to over 100 people within the premises of the airport alone.

Addressing the gathering, Sharma claimed his government is committed to providing drinking and irrigation water to every household and farmer. "Every farm is set to get water for irrigation and every household for drinking water in the State", Sharma said.

"We have produced 8,261 MW of electricity in two years and supplied electricity to 22 districts of the State during daytime, and in the time to come, our Government will provide a round-the-clock supply," Sharma added.

The CM said the Congress Government was known for cases of paper leaks and scams, while there has been no such case in his Government for over two years. With the appointment letter to over 21,800 youngsters by the prime minister in Ajmer on February 28, the State Government has given jobs to 1.25 lakh people so far in two years, while the process for 1.35 lakh jobs is underway, he claimed.

भारतीय विमानपत्तन प्राधिकरण
AIRPORTS AUTHORITY OF INDIA
Corporate Communications Directorate

THE PIONEER DELHI 9 MARCH 2026

From planning to safety, women take on key roles at upcoming Noida airport

PIONEER NEWS SERVICE
Noida/Lucknow

Women professionals are playing a key role in the development and operational planning of the upcoming Noida International Airport, contributing across leadership, technical and aviation safety functions as the Greenfield project prepares to begin passenger operations.

The airport, which recently received its aerodrome licence from the Directorate General of Civil Aviation (DGCA), is expected to begin passenger services within the next one-and-a-half to two months, officials said.

Spread across more than 1,300 hectares in its first phase, it has been developed with a single runway and terminal building capable of handling around 12 million passengers annually.

Airport authorities noted that the project has enabled the organisation to build a diverse workforce from the ground up, ensuring that women participate not only in leadership roles but also in technical, safety and operational functions critical to running a modern international airport.

"From leadership positions to frontline operational teams, women today contribute across a wide spectrum of airport functions including operations planning, architecture and design, finance, digital systems, regulatory functions and commercial operations," an official associated with the project said.

The airport's leadership structure includes several senior positions held by women, reflecting an effort to integrate gender diversity into the project's organisational framework from its early stages.

Chief Operating Officer Kiran Jain, who leads airport operations, brings more than three decades of experience in aviation and hospitality across India and the United States.

She has been closely involved in planning operational systems, coordinating airline partnerships and preparing the airport for live operations.

Financial strategy and governance are overseen by Chief Financial Officer Nitu Samra, who has more than 25 years of experience across financial services and asset management. Her role includes overseeing financial planning, regulatory coordination and long-term financial management for the airport.

Head Human Resources (HR) Mili Saxena, who handles HR strategy and workforce, has been involved in shaping recruitment processes, talent development and diversity initiatives as the airport builds its operational workforce ahead of launch.

Women also hold key positions across other functional areas such as regulatory coordination, facilities management, aviation safety, aero-commercial operations, infrastructure readiness and digital systems management, officials said.

"Women hold several critical leadership positions at the airport, including roles such as COO, CFO and Head HR, reflecting how women are helping shape both strategic decisions and operational readiness," the official said.

They are also engaged in core technical and operational verticals essential to airport functioning. Currently, around 45 women are working across areas such as architecture and terminal design, airside compliance, operational command functions, regulatory oversight and digital systems management.

Women professionals are managing responsibilities including Lead Airport Operations Control Centre (APOC), lead flight operations, senior architect, lead compliance and audit, lead airside compliance and IT service desk management.

Given the nature of airport functioning, many of these roles operate in shift-based environments, where teams work extended hours to ensure systems monitoring, operational readiness and coordination ahead of the airport's launch.

Women are also part of the airport's Aircraft Rescue and Fire Fighting (ARFF) unit, which is responsible for emergency response and aviation safety, officials said.

Five women serve in the ARFF team presently and undergo the same specialised training and preparedness protocols required for aviation emergency response.

Additionally, women are involved in internal security functions supporting surveillance, access control and operational coordination within the airport ecosystem.

Authorities said once airport operations begin, personnel from the Central Industrial Security Force (CISF) will take charge of airport security.

Women also played a notable role during the airport's construction phase, particularly in engineering and safety functions.

Officials said female professionals accounted for 16 out of 30 engineering staff associated with key project activities, while six women were part of the environment, health and safety (EHS) teams.

Women personnel monitor systems during operational preparations ahead of the launch of Noida International Airport in Noida, Uttar Pradesh PTI

Their participation highlights the increasing involvement of women in infrastructure development and construction management, sectors that have traditionally had lower female representation.

Airport authorities said several organisational measures have also been introduced to support employees working in a 24x7 operational environment. These include secure transport arrangements, clearly defined shift protocols, provisions for creche facilities for working parents and formal grievance redressal mechanisms, officials added.

भारतीय विमानपत्तन प्राधिकरण
AIRPORTS AUTHORITY OF INDIA
Corporate Communications Directorate

THE STATESMAN KOLKATA 8 MARCH 2026

Kolkata airport sees gradual resumption of West Asia flights after week-long disruption

STATESMAN NEWS SERVICE
Kolkata, 7 March

Flight services between Kolkata and several West Asian destinations began returning to normal from Saturday after nearly a week of disruptions triggered by the tense military situation in parts of the region.

Officials at Netaji Subhas Chandra Bose International Airport said airlines have gradually started restoring operations while closely monitoring the security situation and reviewing flight routes to ensure passenger safety. A FlyDubai flight from Dubai landed at the Kolkata airport late on Friday night carrying 163 passengers. The aircraft, operating as flight FZ 461, arrived at 12.53 a.m., slightly behind its scheduled arrival time of 12.25 a.m. The same Boeing 737-800 aircraft later departed for Dubai as flight FZ 462 at 1.59 a.m., carrying 92 passengers, marking one of the first regular movements between the two destinations after the disruption.

Airport sources said the resumption of services is being carried out cautiously in view of the evolving geopolitical situation in West Asia, which had earlier forced several countries to restrict or shut their airspace. Meanwhile, Qatar Airways also operated a diverted service early on Saturday morning. The airline ran a Boeing 777-200 flight, QR 8475, which departed from Kolkata for Jeddah at around

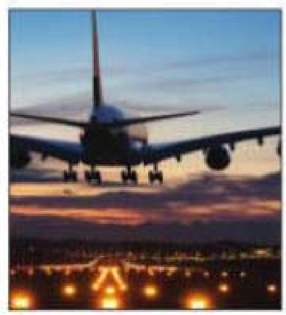

3.58 a.m. The aircraft was originally part of the airline's Perth-Brisbane service in Australia but has temporarily been redeployed on the Kolkata-Jeddah sector. Officials indicated that such operational adjustments are being made by airlines to manage schedules and ensure connectivity amid fluctuating airspace conditions in the region. Emirates is also set to resume its scheduled operations between Dubai and Kolkata from Saturday evening. According to information received by airport authorities, flight EK 572 from Dubai is expected to arrive in Kolkata at 6.50 p.m., while the return flight EK 573 will depart for Dubai at 8.25 p.m. The aircraft will operate from stand number 60 at the airport.

An airport official said authorities are keeping a close watch on developments in West Asia while coordinating with airlines regarding route planning and passenger safety measures. "We are continuously monitoring the situation. Airlines are reviewing flight paths and operational plans depending on developments in the region. Passenger safety remains the top priority," the official said. Passengers have been advised to stay updated about their flight status and check with airlines for any changes in schedules or possible cancellations.

Flight services between Kolkata and Dubai had remained suspended for several days amid the regional crisis. The last flight from Kolkata to Dubai before the disruption had departed on 28 February at 9.35 a.m. operated by Emirates. No flights operated on the sector for several days thereafter. After nearly 113 hours of suspension, limited flight operations between the two destinations resumed earlier this week, with more services gradually returning to normal from Saturday.

भारतीय विमानपत्तन प्राधिकरण
AIRPORTS AUTHORITY OF INDIA
Corporate Communications Directorate

THE TRIBUNE DELHI 9 MARCH 2026

No state role in President's visit, had declined to host pvt event: Mamata

TRIBUNE NEWS SERVICE

NEW DELHI, MARCH 8

The controversy surrounding President Droupadi Murmu's visit to West Bengal for the International Santhan Conference escalated on Sunday, with Chief Minister Mamata Banerjee clarifying that the state government was not involved in organising the event, which was hosted by a private organisation.

In a statement posted on the All-India Trinamool Congress social media handle on X, she criticised the BJP for targeting her government ahead of the Assembly elections.

"The programme was not organised by us. It was organised by a private organisation. A letter from the state government clearly stated that the organisation didn't have the capability to handle such an important event. The President chose to accept the invitation, and that is her prerogative, not ours," she said.

Mamata also addressed the issue of low attendance at the event. "The organisers never asked us to send people. The West Bengal Government was not involved in any capacity. If there was a problem with the facilities, it is the Airport Authority of India's responsibility, not ours," she stressed, referring to complaints about inadequate washrooms.

Regarding her absence at the event, Mamata clarified, "I was at the dharna, fighting for the people's rights. How could I leave? Our Mayor was present at the event on behalf of the state." The CM also took aim at PM Narendra Modi over his tweet questioning the celebration of International Women's Day, saying, "We will celebrate Women's Day a thousand times! We respect both our brothers and sisters. Who will run society without them?"

Meanwhile, the BJP slammed the TMC government, accusing the CM of disrespecting the President.

West Bengal Chief Minister Mamata Banerjee flags hike in the LPG price on the third day of her sit-in in Kolkata on Sunday. PTI

भारतीय विमानपत्तन प्राधिकरण
AIRPORTS AUTHORITY OF INDIA
Corporate Communications Directorate

THE ASIAN AGE DELHI 9 MARCH 2026

Over 52,000 Indians back from Gulf region

AGE CORRESPONDENT
NEW DELHI, MARCH 8

Till Saturday, more than 52,000 Indians have availed of commercial flights, including non-scheduled flights, and travelled safely from the Gulf region to India from March 1–7, out of whom 32,107 travelled on Indian carriers, the ministry of external affairs (MEA) said in a late-night statement on Saturday. It added that the "Government of India is continuously monitoring the evolving situation in West Asia and the Gulf region, especially with regard to the welfare of Indian nationals who have been stranded there during transit or on short-duration visits."

"Following the partial opening of airspace across the region in the last few days, Indian and foreign airlines are operating commercial flights, including non-scheduled flights, to enable the return of Indian passengers who were in transit or on short-term visits in these countries. More flights are planned in the coming days," the MEA said.

"All Indian nationals in the region are advised to follow the guidelines of the local authorities as well as the advisories being issued by the Indian embassy or Consulate in their location. Each of our embassies and consulates in these countries has issued detailed advisories and set up 24x7 helplines that are assisting in addressing concerns on account of the ongoing situation," the MEA said.

भारतीय विमानपत्तन प्राधिकरण
AIRPORTS AUTHORITY OF INDIA
Corporate Communications Directorate

BUSINESS LINE DELHI 9 MARCH 2026

IndiGo restarts Europe flights, Air India adds extra services to aid stranded flyers

Aneesh Phadnis
Mumbai

IndiGo has resumed wide-body flights to Europe after a seven-day pause, while Air India announced 78 extra services to Europe and the US on Sunday to aid stranded travellers. IndiGo operates to Amsterdam, London and Manchester on wet-leased Boeing 787-9 aircraft belonging to Norwegian airline Norse Atlantic.

A recommendation from the European Aviation Safety Agency, urging airlines to avoid the airspace over Gulf states, is said to have prompted flight cancellations. An IndiGo executive said the wet-leased 787 planes will not fly over the restricted airspace.

On Sunday, flight tracking website Flightradar24 showed IndiGo's Mumbai-London flight taking a route south of Yemen into Africa and over Red Sea before proceeding to Europe.

Air India's Delhi-London flights are taking 11 hours, nearly two hours more than the usual, due to changes in the flight routes.

Fuel burn has increased due to extended flying time, as well as the additional contingency fuel being uplifted for possible diversions.

GULF BOILS OVER. A recommendation from the European Aviation Safety Agency, urging airlines to avoid the airspace over Gulf states, is said to have prompted flight cancellations

IN HIGH DEMAND

Meanwhile, Air India has announced extra flights to Europe and the US in response to sustained high demand. The airline will operate 78 extra flights to New York, London, Paris, Amsterdam, Frankfurt, Zurich, Male and Colombo between March 10 and 18. This will add 17,660 extra seats on nine routes in both directions.

"Despite the odds, Air India continues to maintain its scheduled services to Europe and North America, sustaining connectivity to several international gateways using alternative routings that are assessed as safe for operations," said Air India's Chief Commercial Officer, Nipun Aggarwal.

Regular commercial and repatriation flights continue from West Asia. IndiGo said it is operating to eight destinations in West Asia. Akasa Air, Air India and SpiceJet, too, are operating flights to the region. Qatar Airways is operating limited flights from Europe to Doha, but scheduled flights remain suspended. Operations at Bahrain and Kuwait, too, remain shut.

Over 52,000 Indians flew in from West Asia between March 1 and 7 with the partial resumption of flights. These include both in-transit passengers and short-term visa visitors to West Asia.

Corporate Communications Directorate

BUSINESS LINE DELHI 9 MARCH 2026

GIFT CITY

Aircraft leasing gains altitude

Financial hub spreads wings in aviation funding

ISTOCK

Avinash Nair

In the steel-and-glass corridors of GIFT City, a quiet aviation revolution is gaining altitude. In just one year, aircraft leasing from India's maiden international financial services centre, in Gandhinagar (Gujarat), has grown three-fold — a pace few other global hubs can claim. At the heart of this surge is a confluence of regulatory recalibration, dollar liquidity, tax clarity and, above all, India's insatiable appetite for flying.

At the end of December 2024, just 63 aircraft were leased from GIFT City. Fast-forward to December 2025, and that number has soared to 196 — a phenomenal 211 per cent jump. The tally includes 182 aircraft and 17 helicopters. By January this year, the number of aircraft leased rose to 198.

What makes this growth even more striking is that the number of aircraft lessors has grown just 13 per cent in the same period. The number of aircraft engines leased has grown 68 per cent, while that of aircraft auxiliary power units (APUs) has risen 6 per cent. In other words, the ecosystem is not merely expanding in terms of participants but also scaling up in asset depth. The aircraft leased so far are valued at $6.886 billion. Meanwhile, aircraft leasing entities have received $615 million financing from the IFSC banking units (IBUs) operating within GIFT City.

For K Rajaraman, Chairperson of International Financial Services Centres Authority (IFSCA), the momentum is structural — not episodic. "A majority of aircraft continue to be deployed with Indian airlines due to strong domestic growth. In fact, Indian airlines have placed the largest orders to OEMs globally. However, overseas leasing is picking up for smaller aircraft — some entities have leased smaller aircraft to select Asian markets. Leasing of trainer aircraft is also expected to scale up as existing FTOs (flight training organisations) scale up and new FTOs get established. IFSCA is strengthening supervisory data frameworks on geographic exposure," Rajaraman said.

GIFT City's aircraft leasing ecosystem has evolved rapidly since the first transaction in 2021, when Vman Aero Services leased an Airbus H125 helicopter to Thumby Aviation; and JetSetFleet Management Services IFSC Ltd, the leasing arm of JetSetGo Aviation, imported a Hawker 800XP business jet. Soon, players such as Air India's AI Fleet Services Ltd, InterGlobe Aviation and Astraeus Services IFSC Ltd established or expanded aviation leasing and financing operations at the IFSC, alongside a growing number of domestic and international lessors routing aircraft financing structures through GIFT City.

ROLE OF BANKS

But the story is no longer just about facilitating leases. The banking and capital market ecosystem at GIFT IFSC is increasingly supporting aviation financing. "Syndication and secondary sales of loans are also picking up," Rajaraman said.

This growing activity is helping deepen liquidity in the aviation debt markets at the IFSC. Rajaraman pointed out that a larger share of aircraft acquisitions is now being routed through IFSC entities, signalling a shift from simple lease intermediation to asset ownership, structured portfolio investments and balance sheet-led financing.

Such structures could open the door to secondary market activity, refinancing and asset-backed financing, allowing long-term institutional investors to participate, while improving risk diversification across the ecosystem. Access to competitive dollar funding has long been a key advantage for established global leasing hubs such as Dublin and Singapore. GIFT IFSC, Rajaraman said, is steadily closing that gap. "The availability of dollar funding has strengthened materially with the growing presence of global and regional banks at GIFT IFSC," he said. Japanese, West Asian and Indian banks have established IBUs, which increasingly offer aviation-focused lending and structured credit.

Aviation asset leasing surges in volume and value at GIFT City

Type of asset	as on Dec 31, 2024	as on Dec 31, 2025
Aircraft	63	196
Engines	53	89
Aircraft auxiliary power units	80	85
Total aviation assets leased	196	370
Total aircraft lessors	30	34

- Value of aircraft leased — $6.886 billion
- Aircraft financing — $3.712 billion
- Aircraft financing received from international banking units — $615 million

As a result, financing structures such as syndicated loans, export credit agency-backed funding, pre-delivery payment financing and refinancing are now being executed through the IFSC ecosystem. Rajaraman added that regulatory flexibility — particularly around hedging, foreign currency borrowing and capital mobility — has boosted lender confidence and cross-border aviation transactions. There is also growing interest from private credit funds, insurers and long-term institutional investors.

"The sharp rise in aircraft and helicopter assets reflects strong policy-led momentum at GIFT IFSC," Rajaraman said. Measures such as exemption of basic customs duty and GST, along with tax neutrality with global hubs, have improved cost-competitiveness. In addition, the recent Union Budget introduced a tax holiday for IFSC entities for 20 consecutive years out of a 25-year period, and 15 per cent tax thereafter, providing long-term clarity to the industry. "Exemption from withholding tax on rentals paid by Indian lessees to IFSC entities claiming the tax holiday also makes leasing cost-efficient," he added.

PLUGGING GAPS

The key gap in India's aircraft leasing ecosystem remains its domestic focus and limited international scale, according to Ketaki Mehta, Partner–GIFT City, Cyril Amarchand Mangaldas. "India leads in fleet utilisation and traffic growth, making domestic placements the fastest-moving and least-friction segment for GIFT-based lessors. Practical gaps such as limited experience with Indian banks on these transactions, absence of bankruptcy-remote structures, and a developing technical skill set constrain the ability to scale up internationally," Mehta said.

She highlighted the regulatory reforms that have strengthened GIFT City's aviation leasing ecosystem. "Including AGSE (advanced ground systems engineering) and aviation-training devices within the IFSCA framework broadens allowable asset classes and counterparties. Risk has been materially lowered by legal reforms, including the IBC moratorium exemption for aircraft objects. Most importantly, India has enacted the Protection of Interests in Aircraft Objects Act, 2025, giving full domestic legal force to the Cape Town Convention and ensuring enforceable creditor remedies, including repossession, deregistration, and export within defined timeframes," she said, adding that GIFT City today is significantly more diversified and legally better protected.

Taken together, the signals are unmistakable. GIFT IFSC is no longer experimenting with aviation leasing — it is institutionalising it.

भारतीय विमानपत्तन प्राधिकरण
AIRPORTS AUTHORITY OF INDIA
Corporate Communications Directorate

BUSINESS STANDARD DELHI 9 MARCH 2026

यूरोप-उत्तरी अमेरिका के लिए एयर इंडिया की अतिरिक्त उड़ानें

दीपक पटेल
नई दिल्ली, 8 मार्च

एयर इंडिया ने अपना ध्यान यूरोप, उत्तर अमेरिका और दक्षिण एशिया पर केंद्रित कर लिया है और वहां कई शहरों के लिए उड़ानें बढ़ा रही है। इसकी वजह इजरायल-ईरान संघर्ष के कारण पश्चिम एशिया में वाणिज्यिक हवाई सेवाओं पर लगा प्रतिबंध है।

टाटा समूह के स्वामित्व वाली एयरलाइन ने रविवार को घोषणा की कि वह 10 से 18 मार्च के बीच न्यूयॉर्क (जेएफके), लंदन हीथ्रो, फ्रैंकफर्ट, पैरिस, एम्स्टर्डम और ज्यूरिख सहित प्रमुख अंतरराष्ट्रीय हवाई अड्डों के लिए 78 अतिरिक्त उड़ानें संचालित करेगी। साथ ही माले और कोलंबो के लिए भी सेवाएं शुरू करेगी। एयरलाइन ने कहा कि इन अतिरिक्त सेवाओं से दोनों दिशाओं में नौ मार्गों पर 17,660 सीटें जुड़ जाएंगी।

एयर इंडिया ने कहा कि ये अतिरिक्त उड़ानें उन यात्रियों की मदद के लिए हैं, जिनके पास सीमित विकल्प हैं क्योंकि पश्चिम एशिया के कुछ हिस्सों में हवाई क्षेत्र पर पाबंदी के कारण कई एयरलाइनों को अपनी उड़ानें रद्द करनी पड़ी हैं या उनका मार्ग बदलना पड़ा है। एयर इंडिया की यूरोपीय सेवाएं बोइंग 787-8 विमानों से संचालित की जाएंगी जबकि न्यूयॉर्क की उड़ानें नियामकीय मंजूरी के बाद बोइंग 777-300ईआर विमानों से संचालित की जाएंगी।

एयरलाइन के मुख्य वाणिज्यिक अधिकारी निपुण अग्रवाल ने कहा, मुश्किल हालात के बावजूद एयर इंडिया यूरोप और उत्तर अमेरिका के लिए अपनी निर्धारित सेवाएं जारी रखे हुए है और संचालन के लिए सुरक्षित माने जाने वाले वैकल्पिक मार्गों का उपयोग करके कई अंतरराष्ट्रीय गेटवे से कनेक्टिविटी बनाए रख रही है।

भारत की सबसे बड़ी एयरलाइन इंडिगो ने भी कुछ अंतरराष्ट्रीय उड़ानें बहाल की हैं। रविवार को एक्स पर जारी एक यात्रा सलाह में एयरलाइन ने कहा, उसने यूरोप के लिए उड़ानें फिर से शुरू कर दी हैं और पश्चिम एशिया के आठ गंतव्यों के लिए उड़ानें जारी रखेगी। उसने यह भी चेतावनी दी कि हालात में बदलाव के साथ समयसारणी में भी अचानक परिवर्तन हो सकता है।

हालांकि, उद्योग जगत के अधिकारियों का कहना है कि प्रतिबंधित हवाई क्षेत्र से बचने के लिए विमानन कंपनियों को काफी लंबा रास्ता तय करना पड़ रहा है। इंडिगो ने रविवार को मुंबई-लंदन उड़ान फिर से शुरू की, जिसके लिए उसने यूरोपीय कंपनी नॉर्स अटलांटिक एयरवेज से लीज पर लिए गए बोइंग 787-9 विमान का इस्तेमाल किया। यह उड़ान मुंबई से अफ्रीका के ऊपर से होते हुए दक्षिण की ओर गई और फिर लाल सागर पार करके मिस्र में प्रवेश किया। इससे उड़ान की अवधि लगभग 10 घंटे 30 मिनट बढ़ गई। उड़ान में इस्तेमाल विमान यूरोप में पंजीकृत है। इसलिए यूरोपीय संघ विमानन सुरक्षा एजेंसी (ईएएसए) के दिशानिर्देशों के दायरे में आता है, जिसने एयरलाइंस को पश्चिम एशियाई हवाई क्षेत्र से बचने की सलाह दी है।

अधिकारियों ने यह भी बताया कि भारतीय एयरलाइंस छोटे प किस्त ान - अ फ ग ानिस्त ान कॉरिडोर का उपयोग नहीं कर सकती हैं क्योंकि पाकिस्तान ने पिछले साल ऑपरेशन सिंदूर के बाद से भारतीय विमानों को अपने हवाई क्षेत्र में प्रवेश करने से रोक रखा है, जिससे उनके पास सीमित विकल्प हैं।

28 फरवरी को इजरायल और अमेरिका ने ईरान पर सैन्य हमले किए जिसका ईरान ने जवाब दिया। लिहाजा, वाणिज्यिक हवाई यातायात पर व्यापक प्रतिबंध लग गए। खाड़ी के कई देशों ने तब से अपने हवाई क्षेत्र के कुछ हिस्सों को बंद या प्रतिबंधित कर दिया है, जिससे एयरलाइनों को यूरोप और उत्तर अमेरिका के लिए उड़ानें रद्द करनी पड़ीं या दक्षिणी सऊदी अरब जैसे वैकल्पिक मार्गों से सेवाएं चलानी पड़ीं।

भारतीय विमानपत्तन प्राधिकरण
AIRPORTS AUTHORITY OF INDIA
Corporate Communications Directorate
BUSINESS STANDARD DELHI 9 MARCH 2026

जंग में रद्द होंगी उड़ान, होटल बुकिंग तो मिलेगा रिफंड

मुसाफिर बुकिंग रद्द करते हैं तो पहले से तय शर्तों पर होगी भरपाई, यात्रा बीमा के दायरे और होटल बुकिंग की शर्तों में नहीं आता युद्ध

हिमाली पटेल

पश्चिम एशिया घूमने की योजना बना चुके कई मुसाफिर वहां जंग छिड़ने की वजह से अब उड़ान और होटल आदि की बुकिंग रद्द करा रहे हैं। मगर उनमें से कुछ को यही नहीं पता कि उड़ान और होटल की बुकिंग रद्द कराने पर किस तरह के नियम लागू होते हैं और उन्हें बुकिंग के लिए जमा कराई गई रकम वापस मिलेगी या नहीं। ऐसे यात्रियों को कुछ बातें ठीक से समझ लेनी चाहिए।

तनाव की स्थिति में क्या करें

शांत होकर बैठें और जल्दबाजी में कोई फैसला नहीं लें। एयरलाइन ईमेल, एसएमएस या ऐप के जरिये आधिकारिक रूप से आपसे संपर्क करेगी, इसलिए उसके संदेश जांचते रहें। कोई भी कदम उठाने से पहले कैंसलेशन और रिफंड के बारे में एयरलाइन की नीति पता होना भी जरूरी है। पिकयोरट्रेल के मुख्य कार्य अधिकारी (सीईओ) और सह-संस्थापक हरि गणपति कहते हैं, 'सैलानियों को पहले तय करना होगा कि वे अब भी यात्रा करना चाहते हैं या रिफंड चाहते हैं।'

एयरलाइन कब करेगी रिफंड

अगर युद्ध या हवाई मार्ग बंद होने की वजह से एयरलाइन कोई उड़ान रद्द करती है तो नागर विमानन महानिदेशालय (डीजीसीए) के नियम एकदम साफ हैं। बुकिंग करा चुके यात्री को पूरी रकम वापस मिलती है या एक भी पाई और खर्च किए बगैर उसकी यात्रा की वैकल्पिक व्यवस्था कराई जाती है।

लड़ाई छिड़ने पर या हवाई मार्ग बंद होने पर अगर कोई एयरलाइन अपनी उड़ान रद्द करती है तो इसे 'फोर्स मैजर' कहा जाता है। गणपति समझाते हैं, 'जब युद्ध, हवाई मार्ग की बंदी या सरकार के निर्देशों जैसी असामान्य परिस्थितियों के कारण उड़ान रद्द की जाती है तो आम तौर पर एयरलाइंस को अलग से मुआवजा नहीं देना पड़ता। लेकिन इन परिस्थितियों में मूल टिकट की रकम वापस की जाती है।'

विशेषज्ञों की मानें तो खुद टिकट कैंसल कराने के बजाय इंतजार करें कि एयरलाइन ही उड़ान रद्द कर दे

एयरलाइन आपका टिकट कैंसल कर रही है तो यह बात उससे लिखित में मांगें। ऐढास लीगल में पार्टनर यथार्थ रोहिला बताते हैं, 'लिखित पुष्टि हो जाए तो टिकट बुक कराते समय एयरलाइन के साथ हुए करार और भारतीय विमानन नियमों के तहत रिफंड का अधिकार बढ़ जाता है।'

विशेषज्ञों की मानें तो खुद टिकट कैंसल कराने के बजाय इंतजार करें कि एयरलाइन ही उड़ान रद्द कर दे। गांधी लॉ एसोसिएट्स के पार्टनर राहील पटेल समझाते हैं, 'अगर यात्री खुद टिकट रद्द करा लेता है मगर उड़ान चालू रहती है तो तब तक किराये के सामान्य नियम लागू होंगे, जब तक एयरलाइन किराया माफ करने के या मुफ्त में कैंसल करने की नीति नहीं लाती है।'

जब एयरलाइन उड़ान को टालने या शुल्क माफ करने जा रही हो तो नॉन-रिफंडेबल किराये वाले टिकट कैंसल बिल्कुल नहीं करें। रोहिला की सलाह है, 'यात्रियों को खुद टिकट कैंसल नहीं करने चाहिए बल्कि एयरलाइन से लिखित कैंसलेशन मांगना चाहिए ताकि रिफंड का उनका अधिकार बना रहे।'

अगर एयरलाइन आपको वैकल्पिक उड़ान का प्रस्ताव देती है तो उसे स्वीकार करना और यात्रा करना जरूरी नहीं है। अगर आपको लगता है कि तेज होते युद्ध के बीच आपको सफर नहीं करना है तो आप एयरलाइन से उसकी जगह पूरा किराया वापस मांग सकते हैं।

कैसे होगा रिफंड

अगर आपने सीधे एयरलाइन से ही टिकट बुक किया है तो उसकी वेबसाइट, ऐप या ग्राहक सेवा माध्यमों पर जाकर रिफंड का अनुरोध करें। आपका अनुरोध आने पर एयरलाइन टिकट की रकम उसी माध्यम से वापस करेगा, जिस माध्यम से आपने बुकिंग की थी। उसे नियामक द्वारा तय की गई समयसीमा के भीतर रिफंड करना पड़ेगा।

पटेल बताते हैं, 'सीधे एयरलाइन से टिकट बुक किया है और एयरलाइन युद्ध या हवाई मार्ग बंद होने के कारण उड़ान रद्द करती है तो डीजीसीएस के नियमों के तहत सात कामकाजी दिनों के भीतर रिफंड आ जाना चाहिए।' गणपति कहते हैं कि एयरलाइन से सीधे टिकट बुक करने पर रिफंड 7 से 14 कामकाजी दिन के भीतर आता है। अगर आपने विदेश के लिए टिकट बुक कराया था तो रिफंड में ज्यादा समय लग सकता है।

एजेंट या किसी यात्रा प्लेटफॉर्म के जरिये बुकिंग की है तो रिफंड उसी एजेंट या प्लेटफॉर्म के माध्यम से आएगा। यात्रा प्लेटफॉर्म एयरलाइन से बात करेगा और रिफंड की स्थिति ग्राहक को बताएगा। एजेंट के जरिये बुकिंग की है तो एयरलाइन टिकट की रकम एजेंट को भेजेगी और वह मुसाफिर के पास भेजेगा।

गणपति समझाते हैं, 'एजेंट या प्लेटफॉर्म के जरिये बुकिंग होने पर रिफंड आने में 14 से 21 कामकाजी दिन तक लग सकते हैं क्योंकि पहले एयरलाइन रिफंड जारी करती हैं और उसके बाद इंटरमीडियरी उसे ग्राहकों तक पहुंचाते हैं।' अगर बड़ी तादाद में बुकिंग रद्द हों या वैश्विक

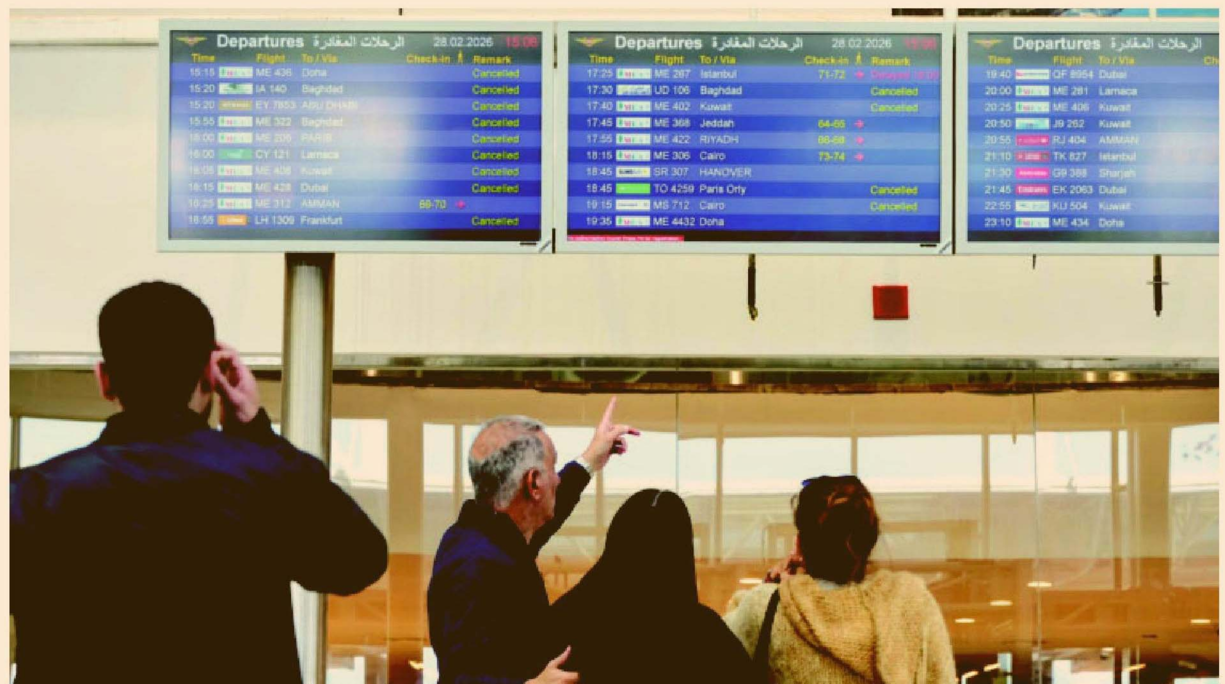

एयरलाइन नहीं सुने तो एयरसेवा पर जाएं

- एयरलाइन से शिकायत करें और रेफरेंस नंबर जरूर रख लें
- नागर विमानन मंत्रालय की एयरसेवा वेबसाइट या मोबाइल ऐप पर रजिस्ट्रेशन करें
- बुकिंग के विवरण, शिकायत के रेफरेंस नंबर, संवाद के रिकॉर्ड और मामले के संक्षिप्त विवरण के साथ शिकायत दर्ज करें
- एयरसेवा आपकी शिकायत को संबंधित एयरलाइन तक पहुंचाएगी
- एयरलाइन को तय समय के भीतर जवाब देना ही पड़ेगा

उथलपुथल हो तो अक्सर देर हो जाती है।

रोहिला कहते हैं, 'बेवजह देर हो तो उसे उपभोक्ता संरक्षण अधिनियम, 2019 के तहत सेवा में कोताही माना जा सकता है और कानूनी चुनौती दी जा सकती है।'

रिफंड अटके तो क्या करें

अगर रिफंड में ज्यादा देर हो रही है तो केस नंबर या रेफरेंस नंबर के साथ एयरलाइन अथवा बुकिंग प्लेटफॉर्म से बात करें। मामले का पता लगाने के लिए ईमेल या शिकायत के विवरण जैसे लिखित संदेश रखना जरूरी है।

रिफंड में देर होती है या बार-बार बात करने से भी मामला नहीं निपटता है तो रिफंड के डीजीसीए द्वारा तय की गई मियाद का जिक्र करते हुए एयरलाइन या बुकिंग प्लेटफॉर्म को लिखित शिकायत करें। पटेल कहते हैं, 'कोई जवाब नहीं आता है तो उपभोक्ता आयोग के पास जाएं और सेवा में कमी की शिकायत करते हुए मुआवजा अथवा ब्याज मांगें।'

रिफंड के लिए क्या करें क्या नहीं करें

रिफंड का अनुरोध आधिकारिक माध्यम से ही करें। गणपति आगाह करते हैं, 'रिफंड के लिए अनुरोध बार-बार न डालें या अलग-अलग रकम के लिए न डालें वरना रिफंड आने में देर हो सकती है।' रिफंड की प्रक्रिया में जबानी वादों पर ही भरोसा करके न बैठ जाएं। जो भी वादा किया जा रहा है, उसे लिखित में लें। जब तक रिफंड आ नहीं जाता तब तक सारी लिखित सामग्री संभालकर रखें।

होटल से रिफंड

युद्ध को सामान्य नियमों के तहत आम तौर पर फोर्स मैजर ही माना जाता है। अकॉर्ड ज्यूरी में मैनेजिंग पार्टनर अलै रिजवी कहते हैं, 'अगर सरकारी बंदी या सुरक्षा संबंधी प्रतिबंधों के कारण होटल चलाना नामुमकिन हो जाए तो होटल को सेवा में कोताही के लिए जिम्मेदार नहीं ठहराया जा सकता।'

अगर काम करना कानूनी तौर पर नामुमकिन हो जाए या गैर-कानूनी हो जाए तो उन्हें बुकिंग की एडवांस राशि वापस करनी पड़ती है। रिजवी बताते हैं, 'लेकिन युद्ध या क्षेत्रीय संघर्ष के कारण उड़ानें रद्द हों और उस वजह से खुद ही बुकिंग कैंसल कराई जाए तो होटल एडवांस राशि वापस करने के लिए बाध्य नहीं होते।'

बुकिंग कन्फर्म होते समय और एडवांस चुकाते समय एक बाध्यकारी समझौता हो जाता है। उसमें दी गई शर्तें बताती हैं कि चुकाई गई कौन सी बुकिंग राशि वापस नहीं होती और फ्री पीरियड के बाद अतिथि खुद ही बुकिंग कैंसल कराएं तो किस तरह का जुर्माना उन पर लगता है। रिजवी का कहना है, 'अगर होटल इन शर्तों का उल्लंघन नहीं करता है या कोई अनहोनी ग्राहक को होटल आने से नहीं रोकती है तो यहां की अदालतें भारतीय अनुबंध अधिनियम, 1872 और उपभोक्ता संरक्षण अधिनियम, 2019 के तहत इन शर्तों को सही करार देती हैं।' सैलानियों को होटल की नीति के हिसाब से कुछ रकम लौटाई जा सकती है। मगर नॉन-रिफंडेबल बुकिंग का नियम तब तक सख्ती से लागू किया जाता है जब तक होटल खुद ही नियम और शर्तें नहीं तोड़ देता।

रिफंड की संभावना बढ़ाएं

जब आप बुकिंग करते हैं तब (खास तौर पर अगर आपका कार्यक्रम बदल सकता हो) वे कमरे या किराया चुनें, जिस पर 'फ्री कैंसलेशन' लिखा हो। इस तरह का किराया चुनने पर आपको एक तय अवधि के भीतर बुकिंग रद्द करने पर जुर्माना नहीं भुगतना पड़ता।

ऐसी परिस्थितियों की लिखित सूचना होटल या बुकिंग प्लेटफॉर्म को फौरन भेजें और साथ हमें उड़ान कैंसल होने के दस्तावेज जैसे सबूत भी लगा दें। सरकार या विदेश मंत्रालय ने यात्रा स्थल को असुरक्षित करार देते हुए सफर नहीं करने की एडवाइजरी या चेतावनी जारी की हो तो उसे भी साथ में लगा दें। रिजवी सुझाते हैं, 'सूचना इस तरह लिखें कि अपनी मर्जी से कैंसल करना नहीं लगे बल्कि फोर्स मैजर के कारण यात्रा नामुमकिन हो जाने के के कारण कैंसल करने की विवशता लगे।' होटल के लिए बुकिंग की रकम ऐसे क्रेडिट कार्ड से चुकाएं जिसमें 'ट्रिप इंटरप्शन' बीमा भी हो। अगर आपकी यात्रा में खलल पड़ता है और आपको उसे रद्द करना या बीच में ही खत्म करना पड़ता है तो कार्ड के इस बीमा के जरिये आपको होटल की नॉन-रिफंडेबल राशि का कुछ हिस्सा मिल सकता है। हां, आपने जो वजह बताई है वह कार्ड के बीमा में बताई गई वजहों में शामिल होनी चाहिए। अगर आपको रिफंड नहीं किया जा रहा है तो उपभोक्ता फोरम में जाएं। वहां जाते समय सही दस्तावेज और पहले हुए वैसे ही उदाहरण साथ में रखना नहीं भूलें।

यात्रा बीमा से फायदा

सामान्य यात्रा बीमा पॉलिसी में आम तौर पर युद्ध शामिल नहीं होता, इसलिए युद्ध के कारण बुकिंग रद्द होने की सूरत में रकम शायद वापस नहीं मिले। इंश्योरेंस ब्रोकर्स एसोसिएशन ऑफ इंडिया में विशेषज्ञ हरि राधाकृष्णन कहते हैं, 'यात्रा रद्द होने, बीच में ही खत्म होने, रुकावट आने या बढ़ जाने की स्थिति के लिए जो बीमा लिया जाता है उसमें आम तौर पर सभी जोखिम नहीं आते।' इस प्रकार का बीमा कुछ खास आपदाओं में ही काम आता है, जैसे सैलानी या उसके रक्त संबंधी का अस्पताल में भर्ती होना अथवा मौत होना, प्राकृतिक आपदा, राजनीतिक जोखिम (दंगे, हड़ताल आदि) और पासपोर्ट या वीजा गुम होना।

राधाकृष्णन बताते हैं, 'यदि युद्ध या युद्ध जैसी स्थितियों के कारण यात्रा रद्द की जाए अथवा व्यवधान पड़े तो यह यात्रा बीमा में उल्लिखित आकस्मिक परिस्थिति नहीं है और हो सकता है कि बीमा पॉलिसी में इसे बाहर रखने की बात साफ तौर पर लिखी भी गई हो।'

BUSINESS STANDARD DELHI 9 MARCH 2026

Air India starts extra flights to Europe, North America

Air India has shifted its focus on Europe, North America and South Asia and is adding flights to multiple destinations there as the ongoing Israel-Iran conflict continued to constrain commercial air services in West Asia. The Tata Group-owned airline on Sunday said it will operate 78 additional flights between March 10 and March 18 to key international gateways including New York (JFK), London Heathrow, Frankfurt, Paris, Amsterdam and Zurich, while also adding services to Malé and Colombo. The airline said the additional services will add 17,660 seats across nine routes in both directions. The airline said the extra flights are aimed at supporting travellers facing limited options after airspace restrictions across parts of the West Asia forced several airlines to cancel or reroute flights. The European services of Air India will be operated using Boeing 787-8 aircraft, while the New York flights — subject to regulatory approvals — will use Boeing 777-300ER aircraft. "Despite the odds, Air India continues to maintain its scheduled services to Europe and North America, sustaining connectivity to several international gateways using alternative routings that are assessed as safe for operations," said Nipun Aggarwal, chief commercial officer at the airline. BS REPORTER

DESHBANDHU | DELHI | 9 MARCH 2026

एयर इंडिया की नौ रूट्स पर 78 अतिरिक्त उड़ानों की घोषणा

■ 10 से लेकर 18 मार्च के बीच है प्रस्तावित

■ यात्रियों को अधिक विकल्प प्रदान करना वजह

नई दिल्ली, 8 मार्च (एजेंसियां)। देश की बड़ी एयरलाइंस में से एक एयर इंडिया ने रविवार को नौ रूट्स पर 78 अतिरिक्त उड़ानों का ऐलान किया है। इसकी वजह मध्य पूर्व में चल रहे तनाव के बीच यात्रियों को अधिक विकल्प प्रदान करना है। यह नौ उड़ानें 10 मार्च से लेकर 18 मार्च 2026 के बीच प्रस्तावित

हैं। एयर इंडिया की ओर से जारी बयान में कहा गया कि एयरलाइन न्यूयॉर्क (जेएफके), लंदन (हीथ्रो), फ्रैंकफर्ट, पेरिस, एम्स्टर्डम, ज्यूरिख, कोलंबो और माले के लिए अतिरिक्त उड़ानों का संचालन करेगी, जिससे दोनों दिशाओं में नौ मार्गों पर 17,660 सीटें जुड़ जाएंगी।

उन्होंने आगे कहा, 'इन यात्राओं में दिल्ली-न्यूयॉर्क (जेएफके), दिल्ली-लंदन (हीथ्रो), मुंबई-लंदन (हीथ्रो) शामिल हैं, जिससे यात्रियों के लिए यात्रा के विकल्प सीमित रहने के दौरान आवश्यक क्षमता को बढ़ाया जा सके।' वापसी में विमान फ्रैंकफर्ट, पेरिस, एम्स्टर्डम, ज्यूरिख, माले और कोलंबो से दिल्ली के लिए उड़ान भरेंगे।

यूरोप के मार्गों पर अतिरिक्त उड़ानें बी787-8 विमानों द्वारा संचालित की जाएंगी और माले एवं कोलंबो के लिए उड़ानें ए320निओ विमानों द्वारा संचालित की जाएंगी। न्यूयॉर्क (जेएफके) के लिए उड़ानें आवश्यक नियामक स्वीकृतियों के अधीन हैं और एयर इंडिया के बी777-300ईआर विमानों द्वारा संचालित की जाएंगी।

यूएई के शहरों के लिए भी अतिरिक्त उड़ाने

एयर इंडिया एक्सप्रेस भारत और संयुक्त अरब अमीरात के शहरों, जिनमें अबू धावी, दुबई, रस अल खैमाह और शारजाह शामिल हैं, के बीच 30 अतिरिक्त उड़ानें भी संचालित करेगी।

BOEING LIKELY TO BENEFIT FROM INDIA-US TARIFF DEAL

'Biggest Risk for Aviation is Geopolitics, Long-term Conflict Could Hit Demand'

Aerospace co to source more products from India, but rules out a manufacturing line here

Arindam Majumder

New Delhi: Prolonged geopolitical conflict could weigh on aviation demand and hurt the industry, a top executive at Boeing said.

While the US-headquartered aerospace company hasn't seen any drop in demand for its aircraft due to geopolitical conflict, Boeing's senior vice-president Brendan Nelson said a protracted war in West Asia will hurt airlines.

Nelson, who was the defence minister of Australia during the previous Gulf war, is responsible for Boeing's strategy outside the US and part of the executive council of the company.

"Without making any judgments about the decisions that countries make, the fact remains irreversible that global aviation transport, which itself thought that it shouldn't be touched by any geopolitical conflict, is more and more getting embroiled in that. The biggest risk for our company is geopolitics and what's happening in the world," Nelson told **ET** in an interview.

Geopolitical conflicts like the US weaponising tariff for politics, has been categorised as a big challenge to the growth of global aviation.

Indian airlines have warned that the US and Israel's war with Iran is weighing heavily on their finances, as demand for travel to West Asia—one of the highest growth regions for Indian carriers—has depleted significantly, while costs are increasing as airlines are forced to take longer routes due to the closure of airspace in Pakistan and West Asia.

"At the moment, as you know, the demand for our products, both our commercial and our defence products, is very, very strong, but any long-term conflict can ultimately result in lag in demand," Nelson said.

Boeing is likely to be one of the winners from the recent India-US tariff deal, with commerce minister Piyush Goyal saying that the aircraft orders from Indian carriers will be part of India's commitment to acquire as much as $500 billion of American products over the next five years.

...fact remains that global aviation transport, which itself thought that it shouldn't be touched by any geopolitical conflict, is more & more getting embroiled in that

BRENDAN NELSON
Senior VP, Boeing

Nelson said Boeing had made a strategic decision early in his tenure to deepen its commitment in India, adding that the company will source more advanced aerospace products from the country.

Boeing's sources materials worth ₹12,000 crore per year from more than 375 suppliers in India. The company's engineering and technology centre in Bengaluru is its largest facility outside of the US. Its joint venture with Tata in Hyderabad employs 7,000 people.

However, Nelson ruled out setting up a manufacturing line in the country and building an aviation ecosystem first through maintenance, repair and overhaul facilities, training centres and supply-chain integration that could eventually support more ambitious manufacturing.

Its European rival Airbus has set up manufacturing lines to build military planes and helicopters in India, while Brazilian aerospace company Embraer is looking to set up one with the Adani group.

THE ECONOMIC TIMES DELHI 9 MARCH 2026

Air India Adds More Flights to Europe, US

New Delhi: Amid the West Asia crisis, Air India has announced capacity expansion to help people stuck in the war-affected region find reliable return options.

The airline will operate 78 additional international flights between March 10 and 18, significantly increasing connectivity between India and key global destinations. AI will operate on nine routes linking Delhi and Mumbai with cities in Europe, US, Maldives and Sri Lanka, adding 17,660 extra seats to the network during this period.

Air India said the decision was taken to ensure passengers continue to have dependable travel options at a time when global aviation networks are under pressure. The airline will deploy a mix of wide- and narrow-body aircraft across these routes. "Despite the odds, Air India continues to maintain scheduled services to Europe and North America, sustaining connectivity to several international gateways using alternative routings that are assessed as safe for operations," Nipun Aggarwal, chief commercial officer at Air India, said. – **Our Bureau**

भारतीय विमानपत्तन प्राधिकरण
AIRPORTS AUTHORITY OF INDIA
Corporate Communications Directorate

THE FINANCIAL EXPRESS DELHI 9 MARCH 2026

DGCA notices to airlines go up sharply as traffic, scrutiny rise

YARUQHULLAH KHAN
New Delhi, March 8

THE FREQUENCY OF show-cause notices issued by the Directorate General of Civil Aviation (DGCA) to scheduled commercial airlines rose sharply in the past two years, reflecting both rapid growth in domestic aviation and tighter regulatory oversight.

Data shared with *FE* in response to a Right to Information (RTI) application show that scheduled airlines received 88 show-cause notices in 2023. The number more than doubled to 195 in 2024 before easing to 155 in 2025, remaining well above the 2023 levels.

Across the sector, the total number of show-cause notices issued by the regulator increased from 302 in 2023 to 447 in 2025

Across the aviation sector, the total number of show-cause notices issued by the DGCA rose from 302 in 2023 to 485 in 2024 and 447 in 2025.

Government data also indicate a broader rise in enforcement activity. Sector-wide regulatory actions climbed from 305 in 2022 to 542 in 2023, rising further to 673 in 2024 before marginally declining to 652 in 2025.

Among airlines, IndiGo received the highest number of show-cause notices between January 1, 2023, and December 31, 2025, with 156 notices. Air India followed with 133 notices, while SpiceJet got 63. Alliance Air was issued 35 notices, followed by Akasa Air with 20 and AIX Connect with 18.

The data also show a steady increase in notices issued to carriers operating under non-scheduled operator's permits (NSOP). Such operators provide charter services, private jet rentals and air ambulance operations rather than scheduled passenger services. Show-cause notices to NSOP carriers rose from 80 in 2023 to 96 in 2024 and 101 in 2025.

भारतीय विमानपत्तन प्राधिकरण
AIRPORTS AUTHORITY OF INDIA
Corporate Communications Directorate

FREE PRESS JOURNAL MUMBAI 8 MARCH 2026

Airfares soar ahead of T20 final

Dhairya Gajara
MUMBAI

Airfares to Ahmedabad have skyrocketed, with many routes recording a jump of more than 150% to 200% as India prepares to face New Zealand in the ICC Men's T20 World Cup 2026 final. The surge is being witnessed while multiple airlines have announced special flights to Ahmedabad as fans scramble to reach the Narendra Modi Stadium for the title clash on Sunday.

The surge follows India's high-scoring semifinal victory over England, which triggered an immediate spike in travel bookings from major metros across the country. The demand jumped so rapidly that domestic airlines

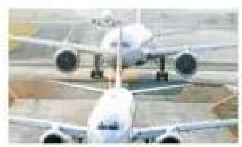

including Akasa Air announced an additional flight between Mumbai and Ahmedabad whereas Air India Express announced special flights from Delhi, Bengaluru, Mumbai, and Hyderabad.

The tickets on Mumbai-Ahmedabad route, which are usually priced at Rs2,500, have surged by as high as 246% as Akasa Air's flight fare increased to Rs8,666. Similarly, the fare offered by Air India was Rs8,319, IndiGo's tickets were priced at Rs8,108 and SpiceJet's tickets were priced at Rs7,677. Akasa Air's special flight, which saw pricing of Rs8,300 on Friday evening, came down to Rs7,121 on Saturday evening.

The Kolkata to Ahmedabad route saw the costliest flight as IndiGo priced the ticket at Rs19,676 whereas Akasa Air's fare was Rs15,422. Similarly, Air India Express' flight from Bengaluru was priced at Rs16,543, Akasa Air at Rs16,789 and IndiGo at Rs16,425. The Delhi-Ahmedabad route saw the airfare jump to Rs13,337 on Akasa Air flight, Rs12,989 by Air India and Rs12,883 by IndiGo.

The return flights to all these destinations from Ahmedabad on early Monday morning also saw record breaking fares.

भारतीय विमानपत्तन प्राधिकरण
AIRPORTS AUTHORITY OF INDIA

Corporate Communications Directorate

HINDUSTAN DELHI 9 MARCH 2026

विमान दुर्घटनाओं से सीखें उड़ान प्रशिक्षण संस्थान

यहां स्कैन करें

अंजुली भार्गव | नीति-विशेषज्ञ

हाल के दिनों में एक के बाद एक कई हवाई दुर्घटनाओं ने देश का ध्यान बरबस खींचा है। अभी-अभी असम में हुई सुखोई विमान दुर्घटना में वायु सेना के दो पायलटों की मौत हो गई। इससे पहले रांची के पास एक एयर एंबुलेंस के दुर्घटनाग्रस्त होने में मरीज समेत सात लोगों की मौत के मुंह में समा गए। इसके कुछ ही हफ्ते पहले बारामती (महारारष्ट्र) में चार्टर विमान के दुर्घटनाग्रस्त होने से राज्य के उप-मुख्यमंत्री अजित पवार समेत पांच लोगों की मौत हो गई थी। इससे पहले पिछले साल जून में अहमदाबाद में एअर इंडिया का विमान एक मेडिकल कॉलेज के भवन पर गिर गया था, जिसमें गुजरात के पूर्व मुख्यमंत्री विजय रूपाणी समेत 241 लोग मारे गए थे।

पिछले कुछ हफ्तों में भारत के उड़ान प्रशिक्षण संस्थानों (एफटीओ) व छोटे ट्रेनर-एयरक्राफ्ट से जुड़ी कई घटनाएं हुई हैं। इन पर लोगों का ध्यान नहीं गया, क्योंकि इनमें कोई मौत नहीं हुई थी। इसी साल जनवरी में इंडियावन एयर के सेसना ग्रैंड सी208बी एयरक्राफ्ट ने ओडिशा के राउरकेला में आपातकालीन लैंडिंग की थी। इसके अगले महीने रेडबर्ड फ्लाइट ट्रेनिंग एकेडमी द्वारा संचालित 50 साल से ज्यादा पुराना सेसना 172 ट्रेनर एयरक्राफ्ट कम फ्यूल के कारण कर्नाटक में अचानक लैंड कर गया। नागरिक उड्डयन महानिदेशालय (डीजीसीए) ने चार दिनों के अंदर दो क्रैश रिपोर्ट के बाद साल 2023 में अकादेमी के सभी केंद्रों पर उड़ान प्रशिक्षण गतिविधियों को अनिश्चित काल के लिए निलंबित कर दिया था।

एक के बाद एक हवाई दुर्घटनाओं ने देश भर के लोगों को चिंतित किया है। हमारे एफटीओ लंबे समय से नियम तोड़ने के लिए कुख्यात रहे हैं।

कमांडर व पुराने इंस्ट्रक्टर का कहना है कि 1980 के दशक में उड़ान प्रशिक्षण के लिए भारत पसंदीदा जगह हुआ करता था। मद्रास, दिल्ली और देश के दूसरे फ्लाइंग क्लबों में श्रीलंका, ईरान, भूटान, जॉर्डन, मलेशिया समेत कई देशों के प्रशिक्षु आते रहते थे, पर 2000 के दशक की शुरुआत से यह प्रवृत्ति उलट गई है। अब भारतीय प्रशिक्षु श्रीलंका, फिलीपींस और यहां तक कि दूर के मोंटेनेग्रो में प्रशिक्षण लेने जा रहे हैं। असल में, देश में हर साल जारी हो रहे प्रति 1,000 वाणिज्यिक पायलट लाइसेंस में से 700 उन लोगों को मिल रहे हैं, जिन्होंने भारत के बाहर अपना प्रशिक्षण पूरा किया है।

मई 2025 में एफटीओ एयरक्राफ्ट दुर्घटना को लेकर जांच बोर्ड की रिपोर्ट में बताया गया कि पिछले 13 सालों में एफटीओ विमानों की 38 दुर्घटनाएं हुईं, जिनमें से 14 में प्रशिक्षुओं की मौत हुई। 2013 से 2016 तक पांच और 2017 में पांच दुर्घटनाएं हुईं। 2020 में कोरोना में उड़ानें बंद होने के बावजूद चार दुर्घटनाएं हुईं, जिनमें कई लोगों की जान गई। 2022 में सात दुर्घटनाएं हुईं। विमानन उद्योग, डीजीसीए व नागरिक उड्डयन मंत्रालय के सूत्र मानते हैं कि ज्यादातर दुर्घटनाएं अनुशासन की कमी और तय मानक प्रक्रिया का पालन न करने की वजह से हुईं।

प्रशिक्षकों द्वारा प्रशिक्षुओं को परेशान करने और गलत बर्ताव करने के कई आरोप लगे हैं। एकल उड़ान या सॉर्टी के दौरान कॉकपिट में गैर-कानूनी लोगों के रहने की भी रिपोर्ट मिली है, जिसमें प्रशिक्षक और प्रशिक्षु बिना इजाजत के दोस्तों व परिवार के सदस्यों को हवाई सैर कराते हैं। साल 2022 में एक सुझाव आया था कि अनियमित एयरफील्ड में सीसीटीवी कैमरे लगाए जाएं। डीजीसीए ने जनवरी में सभी प्रशिक्षण विमानों के कॉकपिट में ऑन-बोर्ड ऑडियो और वीडियो रिकॉर्डिंग उपकरण लगाने को कहा है। डीजीसीए ने ऑपरेटरों को सही तरीके से फ्लाइट डाटा रिकॉर्ड करने की सलाह दी है, जिसमें कॉकपिट व एयर कंट्रोल टावर के बीच के संवाद रिकॉर्ड करना भी शामिल है। अक्तूबर 2025 से एफटीओ को अलर्ट रखने के लिए साल में दो बार उनकी रैंकिंग शुरू की गई है।

इतना सब कुछ कर लेने के बाद भी देखना बाकी है कि भारत में 60 केंद्रों पर पंजीकृत 380 एयरक्राफ्ट में से कितने नियामकों द्वारा तय 120 दिन की डेडलाइन के अंदर इसका पालन करेंगे। भारत के एफटीओ लंबे समय से नियम तोड़ने के लिए कुख्यात रहे हैं और ऑपरेटरों-अधिकारियों के बीच मजबूत गठजोड़ है। इस गठजोड़ को तोड़ने के लिए केवल परिपत्र जारी करने से कुछ होने वाला नहीं है, बल्कि इससे आगे बढ़कर और कड़े कदम उठाने की जरूरत है।

(ये लेखिका के अपने विचार हैं)

THE HINDUSTAN TIMES DELHI 9 MARCH 2026

78 more AI int'l flights amid West Asia crisis

NEW DELHI: Air India will operate 78 additional flights on nine international routes from March 10 to 18 as the airline seeks to provide more travel options amid the disruptions due to the conflict in West Asia.

The carrier will operate 78 additional flights on 9 routes connecting New York, London, Frankfurt, Amsterdam, Zurich, Paris, Colombo and Male.

In a statement on Sunday, Air India said it would deploy additional capacity to five key gateways in Europe as well as to New York over the next few days, supported by additional services to the Maldives and Sri Lanka.

"Together, these flights add 17,660 seats on nine routes in both directions," it said.

Except for New York, Male and Colombo, the services will be operated with B787-8 aircraft.

THE CARRIER WILL OPERATE FLIGHTS ON NINE ROUTES CONNECTING NEW YORK, LONDON, AMSTERDAM, PARIS AMONG OTHERS

For Male and Colombo, A320 neo planes will be deployed and services for New York will be operated with B777-300ER aircraft, subject to regulatory approvals.

According to the airline, the additional services are being planned in response to sustained high demand for reliable travel options amid the ongoing situation in West Asia. PTI

भारतीय विमानपत्तन प्राधिकरण
AIRPORTS AUTHORITY OF INDIA

Corporate Communications Directorate

JANSATTA DELHI 9 MARCH 2026

एअर इंडिया 10 से 18 मार्च तक नौ अंतरराष्ट्रीय मार्गों पर 78 अतिरिक्त उड़ानें संचालित करेंगी

नई दिल्ली, 8 मार्च (भाषा)।

पश्चिम एशिया संघर्ष के कारण उत्पन्न व्यवधानों के बीच यात्रियों को अधिक विकल्प उपलब्ध कराने के उद्देश्य से एअर इंडिया 10 से 18 मार्च तक नौ अंतरराष्ट्रीय मार्गों पर 78 अतिरिक्त उड़ानें संचालित करेगी। एअर इंडिया न्यूयार्क, लंदन, फ्रैंकफर्ट, एम्स्टर्डम, ज्यूरिख, पेरिस, कोलंबो और माले को जोड़ने वाले नौ मार्गों पर 78 अतिरिक्त उड़ानें संचालित करेगी। एअर इंडिया ने रविवार को जारी एक बयान में बताया कि विमानन कंपनी अगले कुछ दिनों में यूरोप के पांच प्रमुख हवाई अड्डों के साथ-साथ न्यूयार्क के लिए अतिरिक्त उड़ानें संचालित करेगी, साथ ही मालदीव और श्रीलंका के लिए भी अतिरिक्त सेवाएं शुरू की जाएंगी।

JANSATTA DELHI 9 MARCH 2026

एक हफ्ते में खाड़ी क्षेत्र से स्वदेश लौटे 52000 भारतीय नागरिक

जनसत्ता ब्यूरो
नई दिल्ली, 8 मार्च।

पश्चिम एशिया और खाड़ी क्षेत्र में संघर्ष के दौरान लगातार बदलते हालात के बीच वहां फंसे भारतीय नागरिकों की सुरक्षित स्वदेश वापसी के लिए भारत सरकार लगातार हालात पर नजर बनाए हुए है। मौजूदा स्थिति में कुछ हवाई क्षेत्र के आंशिक रूप से खुलने के बाद भारतीय और विदेशी एअरलाइंस ने सीमित सेवाएं (विशेष) शुरू की है।

इन वाणिज्यिक उड़ानों के जरिए पिछले एक हफ्ते (1 से 7 मार्च) के दौरान 52,000 से अधिक भारतीयों ने खाड़ी क्षेत्र से भारत तक सुरक्षित यात्रा की। इनमें विभिन्न भारतीय एअरलाइंस की उड़ानों से 32,107 यात्री देश के अलग अलग शहरों में सुरक्षित पहुंचाए गए। पश्चिम एशिया संकट के कारण फंसे हुए लोगों के लिए भारतीय और विदेशी एअरलाइंस की तरफ से वाणिज्यिक उड़ानें संचालित की जा रही हैं। इनमें गैर-निर्धारित उड़ानें भी शामिल हैं, ताकि इन देशों में पारगमन या अल्पकालिक यात्रा पर गए भारतीय यात्रियों की वापसी सुनिश्चित हो सके। फंसे हुए भारतीयों की सुरक्षित स्वदेश वापसी के लिए इंडिगो, एअर इंडिया समूह और स्पाइसजेट की तरफ से विशेष उड़ानें संचालित की जा रही हैं और अगले कुछ दिनों के लिए अतिरिक्त उड़ानें नियोजित की गई हैं। विदेश मंत्रालय के प्रवक्ता रणधीर जायसवाल ने 'एक्स' पर लिखा कि विदेशों में भारतीय नागरिकों की सुरक्षा और कल्याण सरकार की सर्वोच्च प्राथमिकता है।

भारत सरकार, पश्चिम एशिया और खाड़ी क्षेत्र में लगातार बदलती स्थिति पर नजर रख रही है, खास तौर पर उन भारतीय नागरिकों के कल्याण के संबंध में जो पारगमन के दौरान या अल्पावधि यात्राओं पर उन देशों में फंसे हुए हैं।

भारतीय विमानपत्तन प्राधिकरण
AIRPORTS AUTHORITY OF INDIA
Corporate Communications Directorate

LOKSATYA DELHI 9 MARCH 2026

रेस्क्यू 32,107 को भारतीय एयरलाइंस लेकर आईं

7 दिन में खाड़ी देशों से लौटे 52000 भारतीय

- **अकेले इजराइल में रहते हैं 41 हजार इंडियन**

नई दिल्ली, लोकसत्य। विदेश मंत्रालय (MEA) ने शनिवार को पश्चिम एशिया और खाड़ी क्षेत्र की स्थिति पर अपडेट देते हुए बताया कि 1 से 7 मार्च 2026 के बीच 52,000 से ज्यादा भारतीय सुरक्षित रूप से खाड़ी देशों से भारत लौटे। इसमें से 32,107 भारतीय एयरलाइंस के जरिए, बाकी लोग विदेशी कमर्शियल फ्लाइट्स और नॉन-शेड्यूल्ड फ्लाइट्स के जरिए वापस आए हैं।

मंत्रालय के अनुसार, खाड़ी देशों में बिगड़ते हालात के बीच वहां फंसे भारतीयों की सहायता के लिए एक विशेष कंट्रोल रूम बनाया गया है, जो प्रभावित लोगों और उनके परिवारों के सवालों का जवाब दे रहा है। MEA ने कहा कि क्षेत्र में मौजूद सभी भारतीय नागरिकों को स्थानीय प्रशासन और भारतीय दूतावास/वाणिज्य दूतावास द्वारा जारी सलाहों का पालन करने की सलाह दी गई है। विभिन्न देशों में स्थित भारतीय मिशनों ने 24×7 हेल्पलाइन भी शुरू की है।

मंत्रालय के बयान के अनुसार, हाल के दिनों में क्षेत्रीय हवाई क्षेत्र आंशिक रूप से खुलने के बाद भारतीय और विदेशी एयरलाइंस कमर्शियल और स्पेशल फ्लाइट्स संचालित कर रही हैं। आने वाले दिनों में और उड़ानें संचालित करने की योजना है। MEA ने कहा कि जहां अभी कमर्शियल फ्लाइट्स उपलब्ध नहीं हैं, वहां भारतीय नागरिकों को निकटतम भारतीय दूतावास या वाणिज्य दूतावास से संपर्क करने की सलाह दी गई है। यात्रियों को कहा गया है कि वे दूतावास की वेबसाइट पर लगातार अपडेट्स चेक करते रहें। बिना वजह इधर-उधर न घूमें और सुरक्षित स्थानों पर ही रुकें। सरकार हर भारतीय की लोकेशन ट्रैक करने की कोशिश कर रही है ताकि मदद जल्द पहुंच सके।

भारतीय विमानपत्तन प्राधिकरण
AIRPORTS AUTHORITY OF INDIA

Corporate Communications Directorate

MILLENNIUM POST DELHI 9 MARCH 2026

Iran conflict: Indian airlines cancel 279 international flights

OUR CORRESPONDENT

NEW DELHI: Indian airlines cancelled 279 international flights on Sunday due to the ongoing situation in the Middle East.

The escalating conflict in the region involving the US, Israel and Iran has significantly disrupted flight operations due to airspace closures and restrictions.

The civil aviation ministry on Sunday said that due to the ongoing situation in the Gulf, flight operations have been impacted across several sectors

The civil aviation ministry on Sunday said that due to the ongoing situation in the Gulf, flight operations have been impacted across several sectors.

"A total of 49 flight operations were scheduled today by Indian domestic carriers from West Asia to India. As on 8 March, 279 flights scheduled to be operated today by Indian domestic carriers have been cancelled," the ministry said in a post on X.

An official said that a total of 66 flights, including 34 departures and 32 arrivals, were cancelled at the Mumbai airport on Sunday.

Delhi airport operator DIAL said that due to the current geopolitical developments in the Middle East, some west-bound international flights may experience delays or schedule changes.

Meanwhile, Air India will operate 78 additional flights on nine international routes from March 10 to 18 to provide more travel options for passengers amid the disruptions due to the Middle East conflict.

भारतीय विमानपत्तन प्राधिकरण
AIRPORTS AUTHORITY OF INDIA
Corporate Communications Directorate

NAVBHARAT TIMES DELHI 9 MARCH 2026

अजित पवार प्लेन क्रैश की जांच सवालों के घेरे में

इनवेस्टिगेशन ब्यूरो की रिपोर्ट विमान कंपनी की पैसिंजर क्रू स्लिप से मैच नहीं हुई

Maneesh.Aggarwal
@timesofindia.com

FILE

नई दिल्ली : पुणे के बारामती एयरपोर्ट पर रनवे के करीब 28 जनवरी को क्रैश हुए महाराष्ट्र के उपमुख्यमंत्री अजित पवार प्लेन क्रैश मामले में पहले से ही सवालों के घेरे में चल रही जांच में अब एक और पेंच सामने आ रहा है। जांच एजेंसी एयरक्राफ्ट एक्सीडेंट इन्वेस्टिगेशन ब्यूरो (AAIB) ने 8 फरवरी को रिपोर्ट जारी की थी। यह रिपोर्ट इस प्लेन की कंपनी वीएसआर वेंचर्स की पैसेंजर-क्रू स्लिप से मैच नहीं कर रही है। AAIB ने रिपोर्ट में प्लेन में सवार पांच लोगों में से दो कॉकपिट क्रू, एक कैबिन अटेंडेंट और दो पैसेंजर बताए हैं। कंपनी की स्लिप में दो कैप्टन और तीन पैसेंजर बताए गए हैं। मामले में मैच नहीं कर रही जांच में एक्सपर्ट का भी कहना है कि यह गंभीर मामला है। इसकी जांच होनी चाहिए।

AAIB ने पैसेंजर को अटेंडेंट क्यों बताया?: वीएसआर वेंचर्स कंपनी की पैसेंजर लिस्ट में प्लेन में सवार पांच लोगों के नाम के साथ ब्योरा दिया गया है। इनमें क्रू में कैप्टन सुमित कपूर और कैप्टन शंभावी पाठक के नाम है। पैसेंजर नेम में महाराष्ट्र के दिवंगत अजित पवार, विदिप जाधव और पिंकी माली का नाम दर्ज है। इस लिस्ट में कहीं भी अटेंडेंट के तौर पर किसी का नाम दर्ज नहीं है, जैसा की एएआईबी ने अपनी रिपोर्ट में एक अटेंडेंट बताया है। ऐसे में एविएशन एक्सपर्ट मनोज का कहना है कि यह एएआईबी को ही बताना होगा कि वह पिंकी माली को अटेंडेंट मान रहा है या फिर पैसेंजर?

जब प्लेन की टेल नहीं जली तो CVR कैसे हो गया डैमेज?: एविएशन एक्सपर्ट अमित सिंह ने कहा, यह बात समझ से परे है कि जब क्रैश हुए प्लेन की टेल जली नहीं जली तो उसमें लगा कॉकपिट वॉयस रिकॉर्डर (CVR) कैसे डैमेज हुआ? जबकि फ्लाइट डेटा रिकॉर्डर (FDR) से डेटा सुरक्षित डाउनलोड हो गया। लेकिन, ब्लैक बॉक्स की असली जानकारी सीवीआर से ही मिलती। जिसे AAIB ने डैमेज बता दिया। अगर CVR का डेटा पूरी तरह से डाउनलोड नहीं हो पाया तो यह तो तय है कि इस क्रैश की सचाई कभी बाहर नहीं आ सकेगी। यह पता ही नहीं लग सकेगा कि असल में कॉकपिट में हो क्या रहा था। यह पता लगाने के लिए सीवीआर डेटा का होना बेहद जरूरी होता है। जिस पर एएआईबी इसके हाई टेंपरेचर से डैमेज होने की बात बोल रहा है।

प्लेन में बाद में लगाया गया था सीवीआर: जांच रिपोर्ट में यह भी पता लगा है कि सीवीआर इस प्लेन के निर्माण के वक्त इसमें नहीं लगाया गया था। बल्कि हनिवेल द्वारा निर्मित इस सीवीआर को इस प्लेन में तीन मई 2021 में लगाया गया था। इसमें दो घंटे की ही रिकॉर्डिंग हो सकती थी। जबकि इस प्लेन में लगा एफडीआर फैक्ट्री फिटिड था। एफडीआर को प्लेन में 2010 में लगाया गया था। एक्सपर्ट का सवाल है कि क्या प्लेन में CVR घटिया क्वालिटी का लगाया था। ब्लैक बॉक्स हाई टेंपरेचर के हिसाब से डिजाइन किए जाते हैं। सूत्रों का यह भी कहना है कि जांच इस बात की भी होनी चाहिए कि जब वीएसआर ने इस प्लेन को इंपोर्ट किया था। तब यह कितने घंटे तक की फ्लाई कर चुका था। कहीं ऐसा तो नहीं कि भारत में लाने पर इसे कम घंटे उड़ना दिखाया गया हो।

भारतीय विमानपत्तन प्राधिकरण
AIRPORTS AUTHORITY OF INDIA
Corporate Communications Directorate

THE TIMES OF INDIA HYDERABAD 8 MARCH 2026

Mid-air scare for Hyd-bound fliers

Sunny.Baski
@timesofindia.com

Hyderabad: Passengers on an IndiGo flight from Kolkata to Hyderabad had a tense experience on Saturday morning. The aircraft aborted its landing just moments before touchdown.

It was later diverted to Vijayawada. The flight, 6E 6153, with 202 passengers onboard, was preparing to land at the Rajiv Gandhi International Airport at around 10.32 am when the pilot suddenly pulled up the aircraft and took it back into the air due to unfavourable wind conditions.

Passengers told **STOI** that the plane had already deployed its landing gear and was only a few feet above the runway when the manoeuvre took place, leaving many on board anxious for a few moments. The aircraft appeared to be about 6 to 10 feet above the ground when the landing was aborted, they said. "The aircraft was very close to the ground. Suddenly, the plane climbed again without any announcement, which scared many of us. After the aborted landing, the flight circled in air as the crew attempted another landing," said Sushil Poddar, president of the Confederation of West Bengal Trade Associations.

'TWO HOUR DELAY'

However, heavy air traffic congestion at RGIA prevented the aircraft from a second landing attempt. When the plane was flying at around 18,000 feet, it was diverted to Vijayawada airport, where it landed at 12.10 pm, before arriving safely in Hyderabad at 12.45 pm, resulting in a delay of nearly two hours.

भारतीय विमानपत्तन प्राधिकरण
AIRPORTS AUTHORITY OF INDIA
Corporate Communications Directorate

THE TIMES OF INDIA DELHI 9 MARCH 2026

Gulf crisis: Air India adds flights to Europe & US to meet demand

Times News Network

New Delhi: With the option of mega Gulf carriers not available to travellers between India and the west, Air India will operate an additional 78 flights to Europe, New York and a few other places between March 10 and 18.

These extra flights will be between Delhi and New York, London (Heathrow), Frankfurt, Paris (CDG), Amsterdam, Zurich, Malé and Colombo. Mumbai will have additional flights to London.

AI chief commercial officer Nipun Aggarwal said: "Despite the odds, Air India continues to maintain its scheduled services to Europe and North America, sustaining connectivity to several international gateways using alternative routings that are assessed as safe for operations."

The airline's decision comes in "response to sustained high demand for reliable travel options amid the ongoing situation in West Asia". These extra flights will add 17,660 seats on nine routes in both directions.

International fares have skyrocketed since the Israel-Iran war broke out on Feb 28. Stranded passengers have been complaining of one-way fares of up to Rs 2 lakh-4 lakh to Europe. Gulf carriers Emirates, Etihad and Qatar Airways fly a significant number of transit passengers between India and the rest of the world.

Induction cooker sales triple in Kolkata

Kolkata: The rise in the price of cooking gas, coupled with uncertainty over future availability, has tripled sales of induction cookers in the city, report **Sarthak Ganguly & Zeeshan Jawed.** Retailers began observing a surge in sales from Saturday. Manish Khosla, director of Khosla Electronics, said, "Usually, we sell around 40-45 induction cookers across our 86 outlets. Now, the sale has jumped to 120-130 per day." Other electric equipment like electric kettles, cookers and hot plates are also seeing an uptick in sales. TNN

भारतीय विमानपत्तन प्राधिकरण
AIRPORTS AUTHORITY OF INDIA
Corporate Communications Directorate

THE TRIBUNE DELHI 9 MARCH 2026

Indian airlines cancel 279 int'l flights

NEW DELHI, MARCH 8

Indian airlines cancelled 279 international flights on Sunday due to the ongoing situation in West Asia.

The escalating conflict in the region involving the US, Israel and Iran has significantly disrupted flight operations due to airspace closures and restrictions.

The Civil Aviation Ministry on Sunday said due to the ongoing situation in the Gulf, flight operations have been impacted across several sectors.

"A total of 49 flight operations were scheduled today by Indian domestic carriers from West Asia to India. As on March 8, 279 flights scheduled to be operated today by Indian domestic carriers have been cancelled," the ministry said in a post on X.

Air India to operate 78 addl flights on 9 routes from March 10 to 18

An official said a total of 66 flights, including 34 departures and 32 arrivals, were cancelled at the Mumbai airport on Sunday.

Delhi airport operator DIAL said due to the current geopolitical developments in West Asia, some west-bound international flights may experience delays or schedule changes. Meanwhile, Air India will operate 78 additional flights on nine international routes from March 10 to 18 to provide more travel options for passengers amid the disruptions due to the conflict. — PTI